RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह जीवन का एक माध्यम है।
डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

वर्ष-05, अंक-17 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 26 जनवरी 2023 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

लांसेट स्टडी का दावा, बेहतर इम्यूनिटी देती है कोविशील्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।

कोविशील्ड की एक बूस्टर खुराक सबसे अच्छी प्रतिरक्षा प्रदान करती है, भले ही प्राथमिक खुराक कोविशील्ड की हो या कोवैक्सीन की। भारत में किए गए एक नए अध्ययन और 'लांसेट रीजनल हेल्थ-साउथईस्ट एशिया' शोध पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में यह कहा गया है। अध्ययन के अनुसार, कोविशील्ड या कोवैक्सीन के साथ उसी टीके की खुराक या अलग खुराक देने की स्थिति में कोविशील्ड के साथ बूस्टर से अच्छे नतीजे मिलते हैं और बेहतर एंटीबॉडी तैयार होती है। इसमें ये भी मायने नहीं रखता कि शुरुआत में कोविशील्ड या कोवैक्सीन के टीके दिए गए।

कोविड टीकाकरण से तैयार प्रतिरक्षा समय के साथ कमजोर होने लगती है और नए स्वरूप से कम रक्षा हो पाती है। इसके कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बूस्टर खुराक देने की सिफारिश की है। क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, तमिलनाडु और कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश के शोधकर्ताओं द्वारा अध्ययन किया गया। भारत में प्राथमिक टीकाकरण के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल दो टीके कोविशील्ड और कोवैक्सीन के साथ समान या अलग बूस्टर की सुरक्षा और प्रतिरक्षण क्षमता का निर्धारण प्रतिभागियों में किया गया।

इनमें ऐसे प्रतिभागी थे जिन्हें इन टीकों की दो प्राथमिक खुराक पहले ही लग चुकी थी। अध्ययन में कहा गया है कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दो खुराकें ले चुके प्रतिभागियों को इन दोनों टीकों में से एक की खुराक दी गई। प्रारंभिक नतीजों में बूस्टर खुराक लेने के 28 दिन बाद एंटीबॉडी में वृद्धि हुई। परीक्षण के तहत किसी भी समूह में कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखने को मिला। कोविशील्ड टीका लिए हुए 200 प्रतिभागियों और कोवैक्सीन टीका लिए हुए 204 प्रतिभागियों पर बूस्टर खुराक का अध्ययन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि कोविशील्ड या कोवैक्सीन के साथ समान टीके की खुराक दिया जाना सुरक्षित है। वहीं, अलग बूस्टर लेने पर बेहतर प्रतिरक्षा तैयार होती है।

प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी की बैठक 200 सीटे जितने पर बनी रणनीति

भोपाल।

भाजपा ने मध्य प्रदेश में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में 230 में से 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। भोपाल में पाटज कार्यालय में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रभारी मुरलीधर राव ने कहा कि दिसंबर में होने वाले चुनाव के लिए पाटज के पास ज्यादा समय नहीं बचा है। इस बैठक में रोडमैप तैयार कर और 200 दिन में इसे लागू कर 200 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया।

इस बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मध्य प्रदेश को बीमारू श्रेणी से बाहर निकालने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को 2003 तक बीमारू राज्य माना जाता था। लेकिन उमा भारती, बाबूलाल गौर (दोनों पूर्व मुख्यमंत्री) और वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकारों ने मध्य प्रदेश को विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ाया है।

तोमर ने कहा कि, कई देश भारत की ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है। कभी बीमारू राज्य रहा मध्य प्रदेश भी अब तेजी से विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के साथ मध्य प्रदेश ने सारी दुनिया में अपनी श्रेष्ठता स्थापित की है।

नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि, मुख्यमंत्री चैहान के प्रयासों से जीआईएस में 15.40 लाख करोड़ से अधिक के करार हुए, जो एक बड़ी सफलता है। इतने निवेश से प्रदेश में 29 लाख रोजगार पैदा होंगे। वहीं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रवासी भारतीय सम्मेलन और जीआईएस कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए सरकार की खुलकर तारीफ की और कहा कि मध्य प्रदेश ने केंद्र द्वारा सौंपी गई सभी जिम्मेदारियों को हमेशा पूरा किया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि, दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोगों ने भारत के प्रति दुनिया के रुख को बदला है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के सीईओ से लेकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री तक भारतीय मूल के हैं और इन प्रवासी भारतीयों ने सारी दुनिया में भारत का झंडा थाम रखा है। बैठक में चुनावी रोडमैप पर मंथन हुआ।

क्यों राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह को लताड़ा...?

नई दिल्ली।

'हम दिग्विजय सिंह के विचारों से असहमत हैं। पाटज के विचार दिग्विजय सिंह के विचारों से ऊपर हैं।' सर्जिकल स्ट्राइक्स को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के बयान पर राहुल गांधी ने खंडन किया। साथ ही उन्होंने सिंह के बातों को 'हास्यास्पद' बताया है। इससे पहले पाटज भी बयान से किनारा कर चुकी है। अब सवाल है कि, राहुल ने अपने ही दल के दिग्गज नेता को लताड़ क्यों लगाई?

क्यों अहम है राहुल का बयान?

भाजपा कई बार राहुल पर बलों और उनकी बहादुरी पर सवाल उठाने के आरोप लगाती रही है। कहा जाता है कि कांग्रेस में भी कई लोगों का मानना है कि पाटज को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर बातें संभलकर कहने की जरूरत है, ताकि बात का गलत असर ना हो और उसका फायदा भाजपा को ना पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिग्विजय के बयान पर राहुल की प्रतिक्रिया इस बात के संकेत हैं कि कांग्रेस पाटज को यह एहसास है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बेहद सावधान रहने की जरूरत है।

भाजप का पलटवार

अब भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस को घेरा और सोनिया पर वाजपेयी जैसे वरिष्ठ राजनेता के अपमान के आरोप लगाए। हालांकि, कांग्रेस ने जवाब में कहा कि था कि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, बल्कि बयान उन लोगों को 'गद्दार' बताया गया था, जो युद्ध के दौरान पाकिस्तान से शक्कर आयात कर रहे थे। कहा जाता है कि कांग्रेस तब से ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर सार्वजनिक तौर पर अपनी बात कहने में संघर्ष करती रही है।

हिंदुस्तान का दिल धड़का दो थीम सांग पर थिरके विद्यार्थी, कर्मचारी और शिक्षक

माही की गूंज, खरगोन।

मप्र राष्ट्रीय खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 की मेजबानी मध्यप्रदेश कर रहा है। प्रदेश के 8 शहरों में 27 खेलों की प्रतियोगिताएं होने जा रही है हमारे समीप इंदौर और हमारे जिले के महेश्वर में भी खेलों इंडिया यूथ गेम्स हो रहे हैं। महेश्वर में 6 एवं 7 फरवरी को केनो सलालम की प्रतियोगिता होने जा रही है। खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2022 की मध्य प्रदेश द्वारा मेजबानी करने से पूरे मध्यप्रदेश सहित खरगोन जिले में खेलों का माहौल बन गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी हेमेंद्र वडनेरकर ने बताया कि, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार विद्यालयों में खेलों इंडिया यूथ गेम्स प्रमोशन के लिए खेलकूद सहित चित्रकला निबंध हिंदुस्तान का दिल धड़का दो थीम सांग पर नृत्य इत्यादि गतिविधियां कराई जा रही है। क्रीड़ा निरीक्षक हबीब बेग मिर्जा, जबर सिंह मंडलोई ने बताया कि खेलों इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी करने से और महेश्वर में केनो सलालम की प्रतियोगिता होने के कारण विद्यालयों में खेल पर्व जैसा माहौल बन रहा है। कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, वॉलीबाल, रस्साकशी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, दौड़, गोला फेक, भाला फेंक इत्यादि खेलों की गतिविधियां विद्यालय स्तर पर कराई जा रही है। साथ ही प्रार्थना सभा एवं बाल सभा में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की जानकारी दी जा रही है। साथ ही खेल शिक्षकों द्वारा थीम सॉन्ग हिंदुस्तान का दिल धड़का दो पर विद्यार्थ शिक्षक कर्मचारी खूब थीरक कर खेलों के माहौल को उत्साह पूर्वक बना रहे हैं। खरगोन जिले के विभिन्न शासकीय अशासकीय विद्यालयों में नित्य खेलकूद गतिविधियां आयोजित हो रही है।

उल्लेखनीय है कि, 6 एवं 7 फरवरी को महेश्वर में केनो सलालम खेल प्रतियोगिता नर्मदा सहस्त्रधारा ट्रैक पर आयोजित होगी।

गुजरात पुलिस के बाद अब ईडी के शिकंजे में टीएमसी प्रवक्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता साकेत गोखले को चंदा जुटाने के अभियान में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

गोखले को अहमदाबाद में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया, जहां वह गुजरात पुलिस मामले में न्यायिक हिरासत में बंद है।

सूत्रों ने बताया कि, गोखले की हिरासत के लिए ईडी उन्हें स्थानीय अदालत के समक्ष पेश करेगी। गुजरात पुलिस ने गोखले को 29 दिसंबर को चंदा संग्रह से एकत्रित धन के कथित दुरुपयोग के मामले में दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

इससे पहले दिसंबर में, गुजरात पुलिस ने एक पुल ढहने की घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोरबी यात्रा पर हुए खर्च के बारे में कथित रूप से फजज खबर फैलाने के आरोप में उन्हें दो बार गिरफ्तार किया था।

नाटक के पात्र में खोकर ही उसे जिया जा सकता है- अनिल जोशी

माही की गूंज, बड़वानी।

नाटक अत्यंत लोकप्रिय और प्रभावी विधा है, आप सभी इस कला को सीख रहे हैं, यह बहुत अच्छी बात है। रंगकमज के रूप में सफल होने के लिए यह आवश्यक है कि आप झिझक से मुक्त हो। आपमे आत्मविश्वास हो, आपकी बॉडी लेंगुएज सही हो, आवाज में उतार-चढाव हो, सपाट बयानी करके आप प्रभाव सम्वाद नहीं डिलेवर कर सकते हैं। आप जिस नाटक को परफोर्म करने जा रहे हैं उसे अच्छे से समझिये. अपनी भूमिका को गहराई से जानिये। आपको जो पात्र अभिनय करने के लिए मिला है, उसमें खोकर ही आप उसे जीवंत कर सकते हैं। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा संचालित की जा रही अल्पावधि रोजगारोन्मुखी निःशुल्क रंगकर्म प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागियों को प्रशिक्षण देते हुए बड़वानी जिले के हरफनमौला कलाकार श्री अनिल जोशी ने कहीं। यह कार्यशाला प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। गायक, एंकर, अभिनेता, वक्ता, सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रमों के कुशल संयोजक श्री जोशी ने मंच के सही उपयोग के लिए व्यावहारिक टिप्स दिए। कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण बिना किसी शासकीय बजट आवंटन के दिया जा रहा है। प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक अभ्यास करवाने के लिए छोटी छोटी नाट्य प्रस्तुतियां करने का अवसर दिया जा रहा है। संचालन वर्षा मुजाल्दे ने किया, आभार वर्षा मेहरा ने व्यक्त किया, सहयोग स्वाति यादव, सुभाष चैहान, कन्हैयालाल फूलमाली एवं डॉ. मधुसूदन चैबे ने दिया।

जीडीसी में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हुई प्रतियोगिताएं

माही की गूंज, खरगोन। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जीडीसी खरगोन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत महिला बाल विकास के आदेशानुसार बालिका पढ़ेगी उजियारा करेगी की थीम पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा दीपिका याकले, द्वितीय बीएचएसी तृतीय वर्ष की शिवकन्या गहलोत व तृतीय स्थान पर बीएससी प्रथम वर्ष की दिव्या कुशवाह रही। खेल कुद प्रतियोगिता अंतर्गत शटल रन व सामूहिक रस्सी कूद आयोजित किया। रस्सी कूद में प्रथम स्थान प्राजक्ता जोशी, द्वितीय रिंकी अमोदे व तृतीय स्थान पर निकिता सोलंकी रही। शटल रन में प्रथम रंजना बड़ोले, द्वितीय जोती रघुवंतशी व तृतीय स्थान भारती चैहान ने प्राप्त किया। खेल प्रतियोगिताए क्रीड़ा अधिकारी डॉ. बीएल भाटे के निर्देशन में संपन्न हुई। प्राचार्य डॉ.एमके गोखले ने विजेता छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता शपथ दिलाई

माही की गूंज, खरगोन। पीजी कॉलेज खरगोन में बुधवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा ने महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलाई। इस दौरान तहसीलदार खरगोन योगेंद्र सिंह मौर्य ने मतदाता दिवस मनाए जाने के उद्देश्य को विद्यार्थियों के सामने रखा और सशक्त लोकतंत्र को बनाने में सभी को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। मतदाता दिवस की शपथ के बाद राष्ट्रगान हुआ जिसमें महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एनसीसी, एनएसएस के वॉलिंटियर तथा अन्य विद्याथज उपस्थित रहे।

भीकनगांव में भी 13 वे राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शासकीय स्कूल ग्राउंड में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण के पूर्व नायब तहसीलदार कृष्णा पटेल ने बीएलओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपने मतदान का विवेकपूर्ण उपयोग करे। साथ ही समस्त बीएलओ से कहा कि जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी उनका नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम समस्त बीएलओ उपस्थित रहे।

प्रतिभावान बालिकाओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

माही की गूंज, बड़वानी।

पाटी नेहरू युवा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस अंतर्गत स्थानीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष थानसिंह सस्ते, जनपद उपाध्यक्ष रंजीत वास्कले, प्रभारी बीपीओ जनपद पंचायत पाटी महेंद्र कुमार धार्वे, प्राचार्य मालसिंह चैहान ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष सह ब्लॉक शिक्षा समिति अध्यक्ष रंजीत वास्कले ने बालिकाओं के लिए चल रही हूं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत करा करा बालिकाओं को शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में अपने प्रतिभाओं को निखारने हेतु आह्वान किया। वही जनपद पंचायत पाटज के प्रभारी बीपीओ महेंद्र कुमार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत सभी को शपथ दिलाई। वही खेल मे राज्य स्तरीय स्पर्धा मे भाग लेने वाली एवं कक्षा मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण भेंट किए, नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सावन चैहान ने कार्यक्रम का संचालन किया इस दौरान संस्था के रवि त्रिपाठी, संतोष देशमुख, सीताराम डावर, मुकेश पाटीदार उपस्थित थे।

कूनो पार्क में मादा चीता की तबीयत बिगड़ी, मेडिकल टीम तैनात

श्योपुर।

मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में एक मादा चीता की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद श्योपुर जिले स्थित में वाइल्डलाइफ सेंचुरी में इमरजेंसी मेडिकल रेसपॉन्स टीम को तैनात किया गया। सूत्रों ने बताया है कि, मादा चीता को गंभीर चिकित्सीय हालत को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सूत्रों के हवाले से यह भी बताया जा रहा है कि परीक्षण के दौरान प्रथम दृष्ट्या यह पाया गया है कि मादा चीता में निर्जलीकरण और गुर्दे की बीमारी के शुरुआती लक्षण मिले हैं।

बताया जा रहा है कि, वन विहार नेशनल पार्क के पशु चिकित्सक अतुल गुप्ता को भोपाल से कूनो नेशनल पार्क भेजा गया। इस मामले पर राज्य के वाइल्ड लाइफ वार्डेन प्रमुख जेएस चैहान ने मीडिया को बताया कि चीता अब ठीक है। अन्य अधिकारी ने बताया कि फ्लूइड्स दिये जाने के बाद चीता की हालत अब अच्छी है।

पिछले वर्ष 17 सितंबर को इस मादा चीता को 7 अन्य चीतों के साथ एयरलिफ्ट कर कूनो नेशनल पार्क लाया गया था। मादा चीता धीरे-धीरे भारत में अपने घर में घुल मिल रही है। यह मादा चीता और अन्य चीते मध्य प्रदेश वन विभाग की निगरानी में हैं।

नामीबिया से आए इन चीतों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। यहां लाए जाने के बाद इन चीतों को क्वारन्टीन में रखा गया था। इसके बाद इन्हें कुछ दिनों के लिए और बाड़े में रखा गया। कई दिनों तक निगरानी में रखने के बाद इन्हें बाड़े से आजाद किया गया था।

इस बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि, 12 अन्य चीतों को भी कूनो नेशल पार्क में लाया जा सकता है। इन सभी चीतों को दक्षिण अफ्रीका से भारत लाया जाएगा।

मीनिंगफुल और मेमोरियल होगा खेलों इंडिया

माही की गूंज, खरगोन।

खेलों इंडिया की मेजबानी अपने आप में अनोखी होगी। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन को मीनिंगफुल और मेमोरियल बनाने के लिए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कार्यशील क्षेत्र (एफए) के प्रभारियों और सदस्यों के साथ बैठक की। कार्यशील प्रभारियों ने आयोजन के लिए आयोजन स्थल पर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में बताया। कलेक्टर कुमार ने सभी अधिकारियों से कहा कि आज से कार्य को बेहतर करने की दिशा में जुट जाएं। सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियां समझे आप लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका है समझे और समय पर पूर्ण करें। एफए हेड्स द्वारा नेटवर्क की उपब्धता के अलावा ट्रांसपोर्ट की व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन से सहयोग मांगा। क्रियाशील प्रभारियों को स्थानीय स्तर पर मदद करने के लिए जिला अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में मौजूद कसरावद एसडीएम श्री अग्रिम कुमार से सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने की जानकारी प्राप्त की। बोथु गांव से सहस्त्रधारा तक कच्ची सड़क के कार्य को 31 जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में स्पोर्ट्स अथॉरिटी के श्री शिवनी, खेल अधिकारी श्रीमती पवि दुबे तथा जिन अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई वे सभी उपस्थित रहे।

डिजिटल स्कोर बोर्ड होगा सहस्त्राधारा पर

कैनो सलालम गतिविधि 6 और 7 फरवरी को आयोजित होगी। इस दिन यहां होने वाले इवेंट को राष्ट्रीय स्तर पर स्कोरिंग शो होगी। इसके लिए बेहतर नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। बीएसएनएल द्वारा आयोजन स्थल पर केबलिंग या अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। कलेक्टर श्री कुमार ने एसडीएम कसरावद श्री अग्रिम को महेश्वर के सभी होटल्स और बोट पर ब्रांडिंग करने के निर्देश दिए हैं। कसरावद के निजी हॉस्पिटल में कैनो सलालम में स्वास्थ्य इमरजेंसी के लिए दो बेड ऑक्सीजन की उपलब्धता के साथ आरक्षित किया गया है। इसके अलावा महेश्वर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व निजी अस्पताल में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएगी। सबसे अहम अगर कोई आपातकालीन समस्या आती है तो महेश्वर के हेलीपेड को भी तैयार रखा जाएगा।

भगवा पहनकर गीतासार के अनुसरण का ढकोसला करने वाला चोर और झूठा पत्रकार है डीजल माफिया पंडित मोहत पुरोहित

जयदीप बायो फ्यूल पर अब तक कई बार प्रशासन कर चुका है कार्यवाही

तत्कालीन भ्रष्ट कलेक्टर का संरक्षण प्राप्त था बायोडीजल माफियाओं को

माही की गूंज ने साल भर पहले भी उठाए थे सवालः की थी नकली बायो डीजल की पुष्टी

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। मध्यप्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र के आखिरी सिरे पर बसे इस आदिवासी जिले में हमेशा से ही माफियागिरी हावी रही है। पहले इस जिले में सिर्फ शराब माफिया ही सक्रिय हुआ करते थे। लेकिन समय के साथ-साथ यह जिला हर प्रकार के माफियाओं की कर्म स्थली बनता गया। शराब माफिया, डीजल माफिया, डामर माफिया, रेत माफिया, खनिज माफिया, बायो डीजल माफियाओं के लिए यह जिला अवैध अकूत कमाई करने की शरणस्थली बन गया। माफियाओं के लिए मानों यह जमीन जन्नत बन गई हो। आए दिन किसी न किसी तरह के माफिया जिले में उजागर होते ही रहते है। कुछ व्यारे-न्यारे होकर इस भूमि से चले गए तो कई अब भी जमे हुए है। आज से साल भर पहले माही की गूंज ने ऐसे ही माफियाओं के खिलाफ एक शंखनाद किया था। बायोडीजल माफियाओं की भरमार ने इस जिले को अवैध कारोबार का अड्डा बना लिया था। माही की गूंज की मुहिम के बाद प्रशासन को झुकना पड़ा था और नकली डीजल माफियाओं को इस जिले से रवानगी दिलवानी पड़ी थी। इस मामले में प्रशासन की भी बहुत किरकिरी हुई थी और कलेक्टर पर जमकर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। उसी का नतीजा यह हुआ कि, पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा की जिले से बड़ी बेइज्जती के साथ रवानगी हुई। ''बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले, बहुत निकले मेरे अरमान लेकिन फिर भी कम निकले।'' तमाम उठा-पटक के बावजूद कुछ माफिया जिले में डटे रहे, कभी अंदर खाने तो कभी रात के अंधेरे में। लेकिन अब यह नासूर फिर से जिले में माफियागिरी का राज कायम करने जा रहे है। इसका सीधा सा नमूना रविवार को जिला मुख्यालय से महज कुछ ही किलोमीटर दूरी पर ग्राम अंतरवेलिया में जयदीप बायो फ्यूल पंप पर नकली बायो डीजल मामले में सामने आया। रविवार को हुई कार्यवाही में प्रशासन ने अंतरवेलिया स्थित जयदीप बायो फ्यूल पंप को सील कर दिया।

एसडीएम सुनील कुमार झा के अनुसार तीन सप्ताह पहले यहां से डीजल के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। रिपोर्ट में यह सैंपल अमानक पाए गए। जिसके चलते पंप को सील करने की कार्रवाई की गई। अंतरवेलिया के जिस जयदीप बायो फ्यूल पंप पर कार्रवाई की गई वह किसी पंडित मोहित पुरोहित का है। रिपोर्ट आने के बाद कलेक्टर के निर्देश पर यह कार्रवाई होना बताया जा रहा है।

पहले भी हो चुकी है प्रशासन की खोखली कार्रवाई

ऐसा नहीं है कि, यह जिले में कोई पहला मामला है। इसके पहले भी इस तरह के कई मामले जिले में उजागर होते आए है। हालांकि पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समय में इन नकली डीजल माफियाओं को खासा संरक्षण प्राप्त था। इस संरक्षण की कीमत भी माफिया कलेक्टर मिश्रा को अदा करते रहे थे यह बात किसी और ने नही बल्कि माफियाओ ने ही सर्वाजनिक भी की। इस पूरे नकली डीजल के अवैध धंधे पर माही की गूंज ने विस्तृत रूप से खबरें प्रकाशित कर माफियाओं और प्रशासन के बीच चल रहे गठजोड़ को उजागर किया था। यहां तक कि, जिले के शीर्ष अधिकारियों से माफियाओं के संबंध और माफियाओं के दबदबे को भी उजागर किया था।

धमकाया भी था चोर पंडित मोहित ने

इसी कड़ी में हमने अंतरवेलिया स्थित बायो फ्यूल पंप की खबरें भी प्रकाशित की थी। माही की गूंज के 25 नवम्बर 2021 के अंक में छपी खबर के बाद जयदीप बायो फ्यूल का डिजल माफिया उर्फ मालिक पंडित मोहित पुरोहित पूरी तरह से बौखला गया था और माही की गूंज कार्यालय में फोन कर धमकाया भी था। उस समय चोर पंडित मोहित ने खुद को प्रदेश स्तरीय किसी टीवी चेनल का पत्रकार भी अपने आप को बताया था। जबकि चोर पंडित मोहित का मीडिया से दूर-दूर तक कोई नाता-रिश्ता नहीं था। चोर मोहित की धमकी के बावजूद माही की गूंज ने लगातार डीजल माफियाओ के माफियाराज को उजागर किया था। मगर माफियाओं के तलवे चाटने वाला प्रशासन उस समय पंडित मोहित के टूकड़े तोडने की वजह

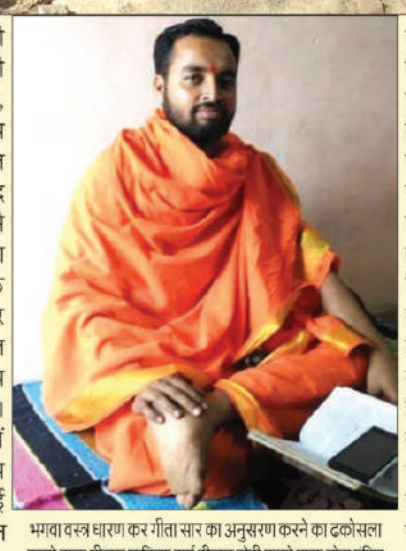
भगवा वस्त्र धारण कर गीता सार का अनुसरण करने का ढकोसला करने वाला डीजल माफिया उर्फ डीजल चोरी करने वाला चोट्टा पंडित मोहित पुरोहित।

से खामौश रहा। माही की गूंज ने तत्समय यह भी उजागर किया था कि, जयदीप बायो फ्यूल पंप पर नकली बायोडीजल बेचा जा रहा है। बावजूद इसके प्रशासन आंख से अंधा और कानों से बहरा बना रहा। प्रशासनिक संरक्षण के बूते चोर पंडित मोहित पुरोहित लगातार अपना अवैध धंधा चलाता रहा। हालांकि बीच-बीच में प्रशासन मीडिया को चुप करने के चक्कर में कई बार जयदीप बायो फ्यूल पंप को सील कर चुका है, लेकिन इसे पूरी तरह से बंद नहीं कर पाया।

कहीं दिखावा भर तो नहीं

अब जबकि सोमेश मिश्रा की जिले से रवानगी हो गई है और चोर पंडित मोहित पुरोहित का संरक्षण खत्म हो चुका है। तो जिले में बैठा नया प्रशासनिक अमला हरकत में आया और चोर पंडित मोहित के नकली फ्यूल पंप पर सिकंजा कस दिया। प्रशासन की यह कार्रवाई कैसी व किस तरह की है यह तो वे ही जाने लेकिन यह तय है कि, चोर पंडित मोहित फिर से कोई सेटिंग का जाल बिछाएगा और प्रशासन को अपनी बोतल में उतारने की कोशिश करेगा। यह भी हो सकता है कि, प्रशासन की यह कार्रवाई मात्र दिखावा भर हो। हो सकता है कि, माफियाओं द्वारा जिस तरह पूर्व कलेक्टर की मांग भरी जा रही थी वह वर्तमान कलेक्टर की नहीं भरी जा रही हो। यह भी हो सकता है कि, कलेक्टर के निर्देशों का हवाला देकर अधिनस्त अधिकारी अपनी जेबे गर्म करना चाहते हों।

जो भी हो लेकिन अब आगे का मामला भविष्य के गर्त में है। बावजूद इसके माही की गूंज इस मामले पर लगातार नजर बनाए रखेगा।

चोर पंडित इंडियन ऑयल की पाइप लाइन से चुराता था डीजल

चोर पंडित मोहित पुरोहित इस बार नकली बायो डिजल बैचने के मामले में प्रशासन के हत्थे चढ़ा है, लेकिन चोर पंडित का यह कोई पहला मामला नहीं है। चोर पंडित डीजल चोरी मामले में जेल की हवा भी खा चुका है। बताया जाता है कि, चोर मोहित इससे पहले इंडियन ऑयल की पाइप लाइन से सीधे तौर पर डीजल की चोरी करता था। चोर मोहित पंडित अपने साथियों के साथ मिलकर ग्राम सजेली में रेलवे फांटक के पास से गुजर रही पाइप लाइन में सेंध लगाकर सीधे डीजल चोरी करता था। उस समय चोर मोहित पंडित ने 12 हजार लीटर डीजल चोरी किया था का मामला भी सामने आया था। जिसमें पुलिस ने मोहित के साथ उसके पांच अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया था। जिसमें चोर पंडित मोहित पुरोहित काफी समय तक जेल में रहा था। वर्तमान में वह जमानत पर बाहर है और प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

नकली डीजल का मामला उठाया गूंज ने

2021 से लेकर अब तक लगातार माही की गूंज ने इस मामले को उठाया है। बायो डीजल के नाम पर किस तरह जिले में वैक्स ऑयल बैचा जा रहा है इसकी पूरी कहानी लगातार हम उजागर करते रहे है। साधारण डीजल और बायोडीजल के नाम पर बिक रहे नकली डीजल में कितना अंतर है और इसकी कीमत में कितना अंतर है यह सारे पहलू माही की गूंज ने ही सबसे पहले उजागर किए थे। कांडला पोर्ट से लेकर जिले में किस तरह से इस नकली डीजल का परिवहन किया जाता है। इस वैक्स पर कितना जीएसटी लगता है। और इससे माफियाओं की अकूत कमाई में कितना मुनाफा मिलता है। इन सारे पहलूओं पर माही की गूंज ने लगातार समाचारों की सीरीज चलाई है। किस तरह चोर पंडित मोहित ने प्रशासन को लाखों रुपये की जीएसटी चोरी कर चूना लगाया है, इसका भी हम खुलासा बहुत पहले ही कर चुके है। वैध पेट्रोल-डीजल पंपों पर इस अवैध करोबार से क्या फर्क पड़ा है यह जानकारी भी हम सार्वजनिक कर चुके है। अब भी प्रशासन अगर चोर मोहित पंडित पर कड़ा सिकंजा सकता है तो जीएसटी चोरी का भी बड़ा मामला सामने आ सकता है। इसके साथ ही चोर मोहित पंडित की संपत्ती की जांच की जाए तो यह भी खुलासा हो जाएगा कि, महज दो-तीन सालों में चोर मोहित पंडित किस तरह कोड़ी मल से करोड़ी मल बन गया।

प्रशासन की निष्पक्ष कार्रवाई की है दरकार

फिलहाल चोर मोहित पंडित का अंतरवेलिया स्थित जयदीप बायो फ्यूल पंप, जहां से वह कभी रात के अंधेरे में तो कभी दिन के उजाले में नकली डीजल का कारोबार करता था वह सील कर दिया गया है। लेकिन अब भी प्रशासन की ओर से निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई की दरकार है। वरना भूतकाल की परिस्थितियां यह बताती है कि, किस तरह माफिया पैसे के बल पर प्रशासन को अपना गुलाम बना लेते है। पूर्व अधिकारियों में कलेक्टर से लेकर नीचले स्तर पर तहसीलदार तक के अधिकारियों ने किस तरह माफियाओं के तलवे चाटे और अपनी जेबें गर्म की, यह जग जाहिर है। वैसे तो भ्रष्टाचार का मामला उजागर होने पर सरकार ने प्रशासनिक अमले में बड़ी सर्जरी की थी, बावजूद इसके अब भी कई अधिकारी ऐसे है जो कलेक्टोरेट बिल्डिंग में जमे हुए है, यह और बात है कि, अब उनके कार्य क्षेत्र बदल गए है। मगर यह तो भगवान ही जानता है कि, कार्य क्षेत्र बदलने के बाद उनकी कार्यशैली में कितना बदलाव आया है। या फिर वे अब भी वही अपनी भ्रष्ट कार्यशैली अपनाए हुए है। हालांकि पूर्व कलेक्टर सोमेश मिश्रा के खास माने जाने वाले एक अधिकारी को वर्तमान कलेक्टर ने आते ही रस्ते लगा दिया था। मगर वे अब भी इसी गुलाबी बिल्डिंग के किसी एक कमरे में बैठे हुए है। अब देखना यह है कि, माफियाओं और प्रशासन में पहले की तरह मांग भरने वाले मधुर संबंध बनेंगे या फिर प्रशासन कड़ी कार्रवाई कर माफियाओं को धूल चटाने में कामयाब होगा।

छात्र हुंकारः पोस्टर विमोचन

माही की गूंज, पेटलावद।

अखिल भारतीय विद्याथज परिषद द्वारा मंगलवार को पेटलावद नगर के शासकीय महावीर महाविद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, आदर्श विद्यालय, शारदा विद्यालय एवं शासकीय कन्याशाला विद्यालय के विद्यार्थियों से 31 जनवरी को झाबुआ में होने जा रहे जिला छात्र सम्मेलन छात्र हुंकार की चर्चा कर पोस्टर विमोचन किया गया। सभी विद्यार्थियों से छात्र सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया गया। जिसमे भाग विद्याथज विस्तारक रोहित सिंह, सम्मेलन विस्तारक दिव्यांश ठाकुर, राजकुमारी बिलवाल, धापू गणावा, सपना जायसवाल, रामकन्या खड़िया, सपना धमनिया एवं हर्षित उपस्थित रहे।

पाटीदार समाज महिला जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

माही की गूंज, सारंगी।

अभी कुछ दिन पहले पाटीदार समाज संगठन के चुनाव पेटलावद में हुए थें। जिले के सभी पाटीदार समाज एकत्रित हुए, सभी ने सहमत होकर पाटीदार समाज महिला संगठन की जिलाध्यक्ष पद पर श्रीमती प्रीति गेंदालाल पाटीदार सारंगी को मनोनीत किया गया था।

झाबुआ में प्रीति गेंदालाल पाटीदार का भारतीय जनता पाटज पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेशध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाहा एवं प्रदेश मंत्री श्रीमती संगीता सोनी, पूर्व जिलाध्यक्ष दौलत भावसार, सोनू विश्वकर्मा के द्वारा पाटीदार समाज महिला संगठन की जिला अध्यक्ष प्रीति गेंदालाल पाटीदार का सम्मान किया गया।

हिदू सबको साथ लेकर चलता है हिदुत्व मे समर्पण का भाव है- बालमुकुंद पांडेय

माही की गूंज, पेटलावद।

हम संपूर्ण समर्पण करते है। सांष्टांग प्रणाम करते है इसलिए हम हिंदू है। और जो त्यागने योग्य है उसे त्यागते है इसलिए हम हिंदू है। संपूर्ण समर्पण कृत्य, कृतव्य, अपने ईश्वर, अपने पूज्य के सामने करते है। बल के सामने नहीं दंड के सामने नहीं। परंपरा का निर्वहन करना ही अच्छे संस्कारों का घोतक है। हिंदू परंपरा में लडकी के विवाह से लेकर हर निर्णय में मातृ शक्ति का निर्णय व सहभागीता रहती है। उक्त उद्गार मां अहिल्यादेवी व्याख्यानमाला समिति के द्वारा आयोजीत व्याख्यानमाला के दूसरे दिन प्रखर वक्ता डॉ. बालमुकुंद पांडेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना ने अपने विषय भारत एक प्राचीन राष्ट्र, एक राष्ट्र-हिंदू राष्ट्र पर व्यक्त किये।

उन्होंने आगे कहा कि, रामायण और भागवत देश के हर कोने में बार-बार सुनी जा रही है। वर्षों से सुन रहे है, किंतु उसी तन्मयता से बार-बार सुनी जा रही है। किंतु पेट नही भरता। क्योंकी अमृत के पान से पेट नहीं भरता है। इसलिए हिंदु परंपरा में अच्छी बातों को बार-बार कहने की परंपरा है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने भारत माता व अहिल्यादेवी के चित्रों के समक्ष द्वीप प्रज्वलीत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति के सदस्य नरेश नारायण शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात धर्म कक्षा के बच्चों ने दैनिक दिन चर्या के मंत्रों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही सफलता विद्या मंदिर के बच्चों ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी। गुरूकुल स्कूल के बच्चों ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। विषय गीत शुभम पंवार ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता बालमुकुंद पांडेय का सम्मान समिति के सदस्य वीरेंद्र भट्ट व पंकज पटवा ने किया। इसके साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भागवताचार्य पं. देवेंद्र आचार्य का स्वागत कृष्णपालसिंह राठौर व विनोद बाफना ने किया। मंच पर समिति के अध्यक्ष गोपाल चैधरी उपस्थित रहे।

मै हिंदू हूँ...

भारत हिंदु राष्ट्र है और मै हिंदु राष्ट्र का अंगभूत घटक हू। मै हिंदु हू किसने कहा कब कहा और क्यों कहा इससे कोई मतलब नहीं है। और जब तक मै हिंदू हु यह भारत राष्ट्र हिंदू राष्ट्र है। मन मुकुर साफ होगा तो ही चार फल काम, धर्म, अर्थ, मोक्ष प्राप्त होगें। अंधो को नेतृत्व में चलने वाला अंधा ही कहलाता है। इसलिए अपने को देखने के लिए अहंकार को दूर हटाना होगा।

राष्ट्र एक पुरूष है हम उसके अंग है

अशोक जिस राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, चाणक्य जिस राष्ट्र के लिए पूरी पृथ्वी पर दंड ले कर घूम रहा हैं। पश्चिम से पूर्व तक कृष्ण का जो प्रवास हो रहा है, उत्तर से दक्षिण तक राम का जो प्रवास हो रहा है। जिसको जगत गुरू शंकराचार्य ने द्वादश ज्योर्तिलिंग की स्थापना की है वह राष्ट्र कौन है। राष्ट्र एक पुरूष है। हम सब उसके अंगभूत घटक हू। वीर सावरकर कहते है, जब तक मै जिंदा हूँ भारत हिंदू राष्ट्र है ऋषियों ने अच्छा देखा क्योंकि बुरा देखने की परंपरा हमारे समाज में नहीं है। जो अच्छा है मेरे पास आये। इससे राष्ट्र का निर्माण होता है। हम राष्ट्रीय है तो एक दूसरे के सुख में सुखी व दुख में दुखी होते है। जिस प्रकार पेर में एक कांटा लगने पर दर्द का अहसास पूरे शरीर को होता है। राष्ट्र कोई राजनितिक इकाई नहीं है।

बाहर के लोगों ने आकर हमारे राष्ट्र को बिगाडना चाहा है। हमारे चिंतन का केंद्र जो भारत था उस चिंतन के केंद्र को यूरोप में कर दिया। 1820 मनु स्मृति का प्रकाशन पहली बार अंग्रेजी में हुआ। जिसमें अंग्रेजों ने संस्कृत के शब्दों का अनुवाद अपने हिसाब से किया। हमारी आज की समस्या यह है कि, हम भारतीय बातों को अंग्रेजी में पढ कर उन्हें फिर हिंदी में ट्रासलेट कर पढ रहे है। इसलिए उसका स्वरूप बिगडता जा रहा है।

हर बाला देवी की प्रतिमा,हर बच्चा राम राम

विश्वास की जो परंपरा है वह राष्ट्र की बात करता है। हिंदू शब्द हमारी परंपरा, व्यक्तिव को हमारे सामने रखता है और जब राष्ट्र की बात आती है तो दुनिया में एक ही राष्ट्र है वह है भारत और इसका पर्यायवाची है हिंदू राष्ट्र।

इतिहास क्या है

हिस्ट्री और इतिहास में अंतर है यदि इतिहास गंगा है तो हिस्ट्री गटर हैं। इतिहास पत्नी है तो हिस्ट्री वाईफ है और इतिहास भारत है तो हिस्ट्री इंडिया है। हमें अपना इतिहास की रक्षा करना है। हमारे देश में इतिहास के दो प्रमुख ग्रंथ है रामायण और महाभारत है। ये दोनों ग्रथ धर्म की स्थापना करते है। इसमें अत्याचारियों को अंत तक सुधरने का समय दिया जाता है।

वेश-भुषा,भाषा व भार्या

हमारी वेश बदला है। दुनिया में कोई वस्त्र पहनना नहीं जानता था, तब हमने रेशम दिया। हमारी वेश भुषा बदली है हमारे देश में समय के अनुसार वस्त्र पहनने की व्यवस्था है किंतु इस व्यवस्था से हम दूर हुए है। हमारा वेश हमारी संस्कृति का प्रतिक है। वहीं भाषा भी हमारी संस्कृति का प्रसार करती है। हमें हमारी भाषा पर गर्व होना चाहिए। ठीक भाषा का उपयोग करना। दुष्टों की भाषा लिखते कुछ ओर है पढते कुछ और है और करते कुछ ओर है।

हिंदी में हम अपना हस्ताक्षर प्रारंभ करें। मातृ भाषा से अच्छी कोई भाषा नहीं हो सकती है। पूरी दुनिया में 5 देश ही है वहां अग्रेजी मिडियम है। जो भी विकसीत देश है वहां अपनी मातृभाषा मे कार्य होता है। इसके साथ ही हमारा खान-पान सही रहेगा तो हमारा मन भी सही रहेगा।

हर गांव-गांव में पाठशाला, मल्यशाला, गौ शाला और यज्ञशाला होना चाहिए। राम राज्य की परिकल्पना करनी है तो यह चारो अनिवार्य है। मन, बुद्वी और देह की शुद्वी के लिए यह आवश्यक है। भगवान को भोग लगाते है माखन मिश्री और बच्चे को पीजा खिलाते है। हमारे खान-पान को सुधारे। हमें घरेलू कार्यो में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में पूर्ण वंदे मातरम का गायन किया गया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये। कार्यक्रम का संचालन यश रामावत व आभार जीवन भट्ट ने माना।

संपादकीय

गणतंत्रः यह दिवस कुछ खास है

बहुत लंबा सफर तय कर लिया हमने। बहुत आगे निकल आए हैं हम। इतना कि दुनिया बड़ी उम्मीदों से हमारी ओर देख रही है। यह वही शेष दुनिया है, जो हमारी आजादी के वक्त तमाम आशंकाएं जता रही थी। भरोसा नहीं कर पा रही थी कि,

इतना विशाल देश अपनी आजादी को संभाल कैसे पाएगा...? अपने लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर पाएगा...? लेकिन हमने सब कुछ बहुत कुशलता और मजबूती से किया। अपेक्षा से भी तेज गति से आगे बढ़े। विकास के नए सोपान गढ़े। दरअसल, जिस वक्त शेष दुनिया हमारे लोकतंत्र के भविष्य को लेकर आशंकाएं जता रही थी, उसके पास ऐसा सोचने के आधार थे। शायद यह कि भारत ने अपनी आजादी के दौरान अस्थिरता का लंबा दौर झेला था। तमाम दंश थे इसके खाते में। लेकिन वक्त के साथ सब कुछ पीछे छूट गया। समय बदला, और हम उसके साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ते रहे। कई बार तो अपेक्षा से भी ज्यादा तेज गति से। इन 70 वर्षो में हमने बहुत कुछ पाया है। बहुत कुछ दिखाया है। सबसे बड़ी बात कि हमने अपने होने को साबित किया है। अपनी बहुरंगी-बहुभाषी, सतरंगी-साझी संस्कृति की धार को न सिर्फ कायम रखा है, उसे और गहरे अर्थ दिए हैं। विकास के नए-नए सोपान चढ़े हैं। यही वजह है कि दुनिया हमारी ओर विस्मय भरी उम्मीद से देख रही है। यह हमारे विकास व विस्तार की मजबूती का प्रतिफल है। यह इन उम्मीदों पर भी खरा उतरने का वक्त है।

इस बार का गणतंत्र दिवस कुछ और भी संदेश लेकर आया है। आसियान देशों के आतिथ्य ने इसे नए अर्थ दे दिए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। यह बता रहा है कि आसियान अब हमारी विदेश नीति की प्राथमिकता में है। जैसा दृष्टिकोण पिछले दिनों दिखा है, यह पहल कहीं न कहीं हमें और मजबूती देने वाली साबित होगी। ताजा वैश्विक संदर्भो में चीनी वर्चस्व को थामने के लिए भी यह जरूरी और व्यावहारिक पहल है। यह हमारी सांस्कृतिक अस्मिता के संतुलन के साथ-साथ तकनीकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ाती संतुलित विदेश नीति का भी परिचायक है। नहीं भूलना चाहिए कि आसियान देश सामरिक दृष्टि से भी भारत के लिए अनुकूल हैं। यानी यह दोस्ती दूर तक जाने वाली है। इस गणतंत्र दिवस का यह बड़ा संदेश है।

यह दिवस कुछ बातों पर फिर से सोचने का अवसर भी दे रहा है। संविधान ने हमें जैसी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं दी थीं, यह उन पर फिर से नजर डालने, सोचने का वक्त भी है कि क्या हम वाकई अपने संविधान की शर्तों पर खरे उतर पाए हैं...? आचरण में कुछ ऐसा तो नहीं कर बैठे कि संविधान की मूल आत्मा का हनन कर जाएं और हमें ही पता न चले। वर्तमान परिदृश्य शिद्दत से यह सोचने को मजबूर कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की स्पष्ट व्यवस्थाओं के बावजूद यदि आग्रह, दुराग्रह की हद तक बढ़ते दिखाई दें, तो हमें सचेत हो जाना चाहिए। भावनाओं के इस उफान के संदेश अच्छे नहीं हैं। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत व साझी संस्कृति के वाहक इस देश में जहां विरासत मुहावरों का रूप ले चुकी हो, एक फिल्म से उठा ऐसा विवाद कुछ सोचने पर मजबूर कर गया है। आज जब यह 26 जनवरी ऐतिहासिक महत्व के नए संदर्भ लेकर हमारे सामने है, इसे और ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। भारत वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला देश है। यह वैश्विक व राष्ट्रीय, दोनों संदर्भों में समान रूप से महत्वपूर्ण है। इस संदेश की भावना को पूरी सांस्कृतिक ऊंचाइयों के साथ आगे ले जाना होगा। स्वाभाविक है, यह हम सबके सहिष्णु-समावेशी-सौहार्दपूर्ण आचार-व्यवहार से ही संभव हो सकेगा।

गणतंत्र का राजा आमजन कब मुस्कुराएगा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारतीय संविधान में आमजन को ही अपना शासक चुनने का अधिकार है। वोट के माध्यम से जिसे चाहे आम जनता फर्श से अर्श पर और अर्श से फर्श पर पहुंचा सकती है। लेकिन क्या वास्तव में वोटर असली राजा की भूमिका निभा पा रहा है? क्या वह शतप्रतिशत अपने मताधिकार का उपयोग कर पाता है? क्या अपना शासक चुनने के लिए वोट देते समय वह लोभ विहीन रहकर देश हित समाज हित व समाज के आखिर व्यक्ति तक के हित के बारे में सोचकर निष्पक्ष मतदान करने का दायित्व निभा पा रहा है? यदि नही तो फिर कैसे दुनिया का यह सबसे बड़ा गणतंत्र सुरक्षित रह पाएगा यह विचारणीय विषय है। हमारा संविधान भले ही जाति धर्म के आधार पर कोई भेदभाव न करता हो लेकिन राजनीति से जुड़े लोग सत्ता की चाबी हाथ लगते ही चाबी अपने पास बनाये रखने के लिए भारतीय संविधान को उसकी मूल भावना से परे जाकर अपने अपने स्वार्थ से परिभाषित करने का प्रयास करते है। तभी तो अभी तक भारतीय संविधान को अनेक बार संशोधनों का सामना करना पड़ा है। भारतीय संविधान की वर्षगांठ पर यह विचार करना आवश्यक है कि दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र में क्या सही मायनों में स्वस्थ लोकतंत्र सुरक्षित है। क्या यह सच नही है कि गण का तंत्र होने पर भी गण यानि आमजन ही अपने अधिकार से वंचित होकर रह गए है। भारतीय संविधान लागू होने के बाद आमजन को लगा था कि अब उनका अपना शासन उनके खुद के द्वारा ही किया जाएगा। लेकिन कुछ बड़े लोगो की जेब का खिलौना बने राजनीतिक दलों ने आमजन को दरकिनार कर इन तथाकथित बड़े लोगो के सहारे देश में सत्ता प्राप्त करने की ऐसी चाल चली कि लोकतन्त्र बेचारा धराशाही होकर रह गया। विधायको और सांसदो की कथित खरीद फरोख्त ने तो देश के लोकतन्त्र को कमजोर करके रख दिया है।

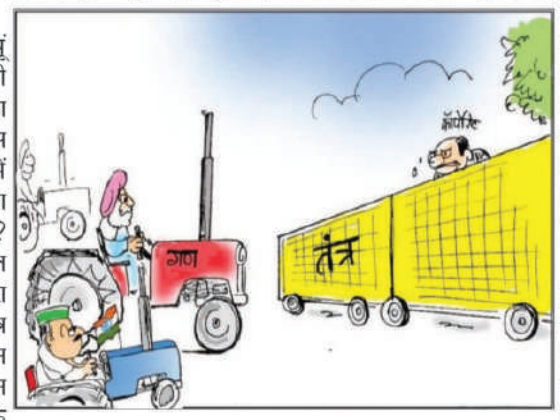

भारतीय गणतन्त्र को यूं धराशाही करने की कोशिश की जाएगी यह पहले किसी ने सोचा तक नही था। तभी तो इस लोकतन्त्र में क्या वास्तव में आमजनता को उनका अपना वास्तविक तन्त्र मिल पाया? भारतीय संविधान की मूल भावना जनता पर जनता के द्वारा शासन का सपना क्या वास्तव में चरितार्थ हो पाया? सन 1950 में भारतीय संविधान देश में लागू हो गया था। देश के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान में समानता का अधिकार मिला था। लेकिन गणतन्त्र लागू होने के इतने सालों बाद भी देश मे नाम मात्र के लोगो का ही गणतन्त्र बन पाया है। देश मे शासन वे लोग ही कर रहे हैजिनके पास धन बल की ताकत है।देश की आम जनता आजादी के बाद से आज तक इन धन बल वालो की ही गुलाम बनी हुई है। यही कारण है कि आम लोग जब असहनीय रूप से शोषित और पीड़ित हो जाते है तो वे अपने अधिकारों के लिए सडकों पर आकर आंदोलन करने को मजबूर होते है। जिन्हें इन्ही शासकों द्वारा लाठी डंडे से दबाने की कोशिश की जाती है। साथ ही अब यह तय है कि अब आम आदमी अपने विरूद्ध होने वाले हर अन्याय का प्रतिवाद करने को तैयार हो गया है।फिर भी ग्राम पंचायत से लेकर राष्ट्रपति पद तक के चुनाव में कोई भी आम आदमी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता है। ग्राम स्तर पर गांव के धनाढय वर्ग से जुडे लोग चुनाव लडते है तो क्षेत्र पंचायत जिला पंचायत विधान सभालोक सभा चुनाव मे भी आम जनता मे से कोई चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता है। क्योकि लाखो करोड़ो रुपयों के बिना अब कोई भी चुनाव लडना सभंव नही रह गया है।

राज्य सभा और विधानपरिषद तो राजनीतिक दलो की अपनी बपोती बन गई है। शायद ही किसी गरीब और आम आदमी को इन सदनो मे से किसी का सदस्य बनाया जाता हो बडी राजनितिक पार्टिया अपने चेहतो को राज्य सभा और विधान परिषदो मे भेजकर उपकृत करती रही है। इन सीटो पर वे अपने चेहतो को भेजने के लिए संख्या बल के हिसाब से सीटो का आपसी बटवारा कर लेते है। जिस कारण आम जनता हर बार ठगी सी रह जाती है। इसी कारण इन सदनो मे चुनकर जाने वाले नेता अपने क्षेत्र के प्रति जवाबदेह भी नही रहते यहाँ तक कि उनकी सांसद निधि और विधायकनिधि या तो खर्च ही नही हो पाती या फिर उसका जमकर दुरूपयोग किया जाता है। जो राष्ट्रहित में नही है। गत चुनाव मे एक भी ऐसा प्रत्याशी किसी बडे राजनीतिक दल से चुनाव मैदान में नही आया जो गरीब की रेखा से नीचे का हो या फिर आमजनता के बीच का हो और किसी बडी राजनीतिक पाटज़ ने उसे टिकट दिया हो।

जीवनभरअपनी पाटज़ के प्रति वफादार रहने वाले भी इसी कारण टिकट से वंचित रह जाते है क्योकि उनके पास धन बल नही होता। जबकि धनबल के सहारे दलबदल कर स्वाथज़ नेता हर पाटज़ में टिकट पाने मे कामयाब हो जाते है। तभी तो करोडो खर्च करके जो मौकाप्रस्त टिकट पा जाते है वे चुनाव जीतकर पहले जो चुनाव में करोड़ों रुपया खर्च किया उसे बटोरेंगे। ऐसे में वे कैसे जनता की सेवा कर पायगे? चुनाव प्रभावित क्षेत्रो से करोड़ो रूपये का काला धन पकडा जाना चुनाव मे बेताहशा खर्च की असलियत का जीता जागत प्रमाण है।

आजादी के 76 साल बाद भी आम व्यक्ति भूख से मर रहा हैयुवा रोजगार को तरस रहा हैअन्नदाता किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। आज भी कानून की रक्षक कही जाने वाली पुलिस जिसे चाहे जब चाहे जहाँ चाहे उठाकर बिना किसी कारण के हवालात में बन्द कर सकती है। जो व्यक्ति या दल चाहे सडक जाम कर मरीजो को अस्पताल जाने से रोक देता है। आज भी कर्मचारी या अधिकारी चाहे तो गरीब को उसके द्वारा घूस न देने के कारण उसे उसके मौलिक अधिकारों से वंचित कर देता है। आज भी प्राइवेट स्कूलों व प्राइवेट अस्पतालो मे गरीबो के लिए के लिए प्रवेश आरक्षण व्यवस्था लागू होने पर भी उन्हे प्रवेश से वंचित किया जाता है। आज भी गरीब की भूमि पर भूमाफियाओ के कब्जे की शिकायते मिलना आम बात है।आज आमजन नेताओ के झूठे वायदो व भृष्टअधिकारियो के मायाजाल फंसकर परेशान है और उस असली गणतंत्र को खोज रहा है जिसमे आमजन में राजा बनाने की शक्ति निहित की गई थी।

ऐसे में कैसे भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप सभी भारतीयों को उनका अपना लोकतन्त्र मिल प्राप्त हो सकता है?वह भी तब जब गणतंत्र का असली राजा कहे जाने वाले आमजन जिनमे मजदूर किसान युवामहिलाएं बुजुर्ग आदि शामिल हैखुद के मूलभूत अधिकारों से वंचित है। जबकि जिनको आमजन ने चुनकर विधानमंडल व संसद में भेजा है उनका आर्थिक बोझ देश को खोखला कर रहा है। यही कारण है कि देश के गणतंत्र के असली राजा आमजन के चेहरे पर मुस्कान नही आ पा रही है।

मोदी पर बीबीसी का हमला

बीबीसी की फिल्म को लेकर जमकर विवाद छिड़ा हुआ है। फिल्म का नाम है- ''इंडियाः द मोदी क्वेश्चन''! यह फिल्म गुजरात में 2002 में हुए दंगों पर बनी है। मैंने अभी तक यह फिल्म देखी नहीं है लेकिन भारत के तीन सौ से भी ज्यादा नेताओं अफसरों और पत्रकारों ने बयान जारी करके इस फिल्म की भर्त्सना की है। इस फिल्म में गुजरात के दंगों और मुसलमानों की हत्या के लिए मोदी को जिम्मेदार ठहराया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी के लिए जो कहा था ''मौत का सौदागर' उस कथन को इसमें फिल्माया गया है। भाजपा के नेता इस फिल्म की कड़ी भर्त्सना कर रहे हैं। वे बीबीसी को ही साम्राज्यवादी मानसिकता से ग्रस्त बता रहे हैं। उनका तर्क यह है कि जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने ही मोदी को निर्दोष साबित कर दिया है तो बीबीसी किस खेत की मूली है कि वह सोनिया गांधी के तेजाबी शब्दों को फिल्माए। लंदन में रहनेवाले भारतीय इस फिल्म के विरूद्ध प्रदर्शन कर रहे हैं और अदालत में भी जा रहे हैं लेकिन प्रामाणिक राय तो भी व्यक्त की जा सकती है जबकि पहले फिल्म को देख लिया जाए। लेकिन मुझे लगता है कि सच्चाई न इधर है और न ही उधर है। वह कहीं बीच में है। यह तथ्य तो सबको पता है कि गुजरात के दंगों में हिंदू और मुसलमान दोनों मारे गए। जब दंगा शुरु हुआ तब किसी को पता नहीं था कि वह इतना भयंकर रूप ले लेगा। जाहिर है कि सरकार को भी कुछ अंदाज नहीं था कि यह रक्तपात उसके बूते के बाहर हो जाएगा। और फिर नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री बने अभी थोड़ा ही समय ही हुआ था। उन्हें शासन चलाने का पहले कोई अनुभव भी नहीं था। गुजरात के दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। उनमें मुसलमानों की संख्या बहुत ज्यादा थी। उसी समय एक समाचार पत्र में मेरा एक लेख छपा था जिसमें मैंने लिखा था कि, गुजरात में राष्ट्रधर्म का उल्लंघन हो रहा है। राजा का धर्म है कि, वह अपनी प्रजा की समान रूप से रक्षा करे।

प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी का सुबह-सुबह मुझे फोन आया और उन्होंने मुझसे कहा कि, आज आपने कलम तोड़ दी। मेरे दिल की बात कह डाली। अटलजी कुछ दिनों बाद मुसलमान शरणार्थियों के एक शिविर में अहमदाबाद गए और उन्होंने वहां मेरे कथन को दोहराया और कहा कि, गुजरात में राजधर्म का पालन होना चाहिए। उन्हीं दिनों मैं गुजरात भी गया था। तत्कालीन राज्यपाल सुंदरसिंहजी भंडारी ने भी दंगों पर दुख व्यक्त करते हुए मुझसे कहा था कि आप अटलजी से कहकर मेरी भेजी रपट पढ़िएगा। लेकिन अब 20-21 साल बाद उन दंगों की याद ताजा करने के पीछे इरादा क्या है? क्या भारत के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दंगे करवाना है? जब से भारत में मोदी प्रधानमंत्री बने हैं क्या 2002 का गुजरात दोहराया गया है? क्या कहीं बड़े दंगे हुए हैं? यह ठीक है कि मोदी-राज में मुसलमान डरे हुए हैं लेकिन इसका कारण वे स्वयं हैं। मोदी ने इधर पसमांदा मुसलमानों के उद्धार के लिए जो बातें कहीं हैं यदि उन पर अमल हो जाए तो क्या कहने? मुस्लिम औरतों को तीन तलाक से मुक्ति किसने दिलाई है? भारत में अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है। किसी को डरने की जरूरत नहीं है। जब भारत ने इंदिरा गांधी के आपात्काल का मुंह काला करके उन्हें दंडित कर दिया तो उसकी जागरूक जनता को डराने की हिम्मत किस में है? देखना यह भी है कि इस फिल्म में जले-बुझे गोरे अंग्रेजों ने कहीं भारतीय मूल के प्रधानमंत्री ऋषि सुनाक पर प्रकारांतर से तो हमला नहीं किया है?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

आज़ादी के मतवाले

भारत माँ की आज़ादी को बहुत यहाँ कुर्बान हुए।

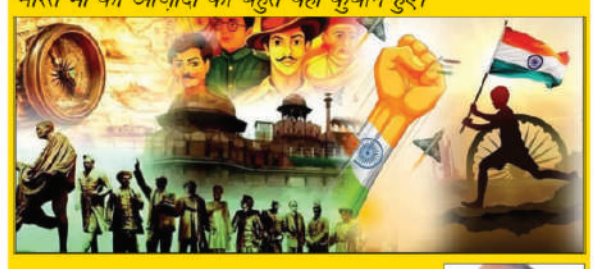

प्रो. शरद नारायण खरे

गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।
हमने रच डाली नव गाथा
लेकर खडग हाथ अपने
नहीं हटाये बढ़े हुये पग
पूर्ण किए सारे सपने
माटी को निज माथ लगाकर सारे मंगलगान हुए।
गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।
शत्रु नहीं बच पाया हमसे
पूतों ने हुंकार भरी
भगतसिंह जैसे मतवाले
विजयघोष-जयकार भरी
आज़ादी ने माँगी क़ीमत वीर सभी बलिदान हुए।
गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।
इंकलाब की लाज निभाने
तीन रंग का मान बने
जन गण मन का नग़मा गाया
तीन रंग की शान बने
भारत छोड़ो के नारे के मतवाले सहगान हुए।
गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।
बिस्मिल आज़ादों के कारण
हमने आज़ादी पाई
नेहरू-गांधी के नारों ने
तन पर तो खादी पाई
ब्रिटिश हुकूमत काँप उठी तब पूर्ण सभी अरमान हुए।
गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।
आज़ादी के मतवालों ने
इतिहासों को रच डाला
त्याग दिया निज का सुख सारा
विश्वासों को रच डाला
पूत बने सब गौरव-गरिमा सारे ही यशगान हुए।
गोरों से लड़कर के सारे देशभक्त संतान हुए।।

नये दौर में दस्तक देते भारत-मिस्र संबंध

भारत-मिस्र संबंधों के लिहाज से साल 2023 ऐतिहासिक होने वाला है। ऐतिहासिकता की दो बड़ी वजह हैं- प्रथम, भारत और मिस्र अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे कर चुके हैं। द्वितीय, 75 वर्षों की इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से भाग लेने के लिए भारत आ रहे हैं। मिस्र के साथ द्विपक्षीय संबंधों में यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब भारत अपनी सैन्य कूटनीति के फलक पर मध्य पूर्व एवं उत्तर अफ्रीकी देशों के साथ अपने सुरक्षा संबंधों का विस्तार कर रहा है।

मिस्र के साथ भारत के संबंध हमेशा से ही सौहार्दपूर्ण रहे हैं। 15 अगस्त, 1947 को भारत को आजादी मिलने के तीन दिन बाद ही दोनों देशों ने औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित कर लिए थे। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और मिस्र के राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर के बीच गहरे दोस्ताना संबंध थे। दोनों नेताओं ने यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज टीटो के साथ मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी। कुल मिलाकर कहें तो 50 और 60 का दशक भारत-मिस्र संबंधों का स्वर्ण काल था। लेकिन 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से जब काहिरा ने सोवियत संघ के नेतृत्व वाले गुट से दूरी बनाते हुए अमेरिका के करीब जाना शुरू किया तो भारत-मिस्र संबंधों में भी शून्यता का भाव भरने लगा। घरेलू मुद्दे और जुदा भू-राजनीतिक विचारों की वजह से शून्यता का यह भाव अगले कुछ दशकों तक बरकरार रहा। हालांकि, शीतयुद्ध के दौरान आए इस ठंडेपन ने रिश्तों की खाई को अधिक गहरा नहीं होने दिया और अलग-अलग दौर के भू-राजनीतिक परिदृश्यों के बीच भारत-मिस्र संबंध कमोबेश आगे बढ़ते रहे। कोविड-19 और उसके बाद आये डेल्टा लहर के भयानक दौर ने द्विपक्षीय संबंधों को ठंडे बस्ते से बाहर निकालने में उत्प्रेरक के तौर पर काम किया। डेल्टा लहर के उस भयावह वक्त में मिस्र उन चंद देशों में से एक था जिसने भारत को मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई मुहैया करवाई।

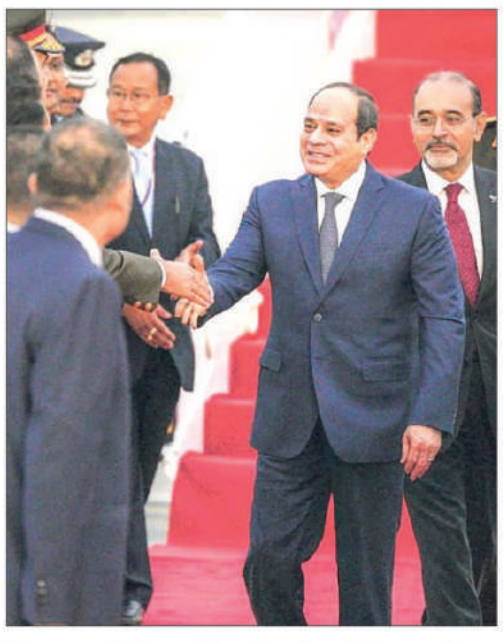

बहुपक्षीय मंचों पर मिस्र के साथ हमारा उत्कृष्ट सहयोग है। क्षेत्रीय और दूसरे अनेक वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों देशों का साझा दृष्टिकोण है। इसके बावजूद यह प्रश्न है कि अरब जगत की इस बड़ी शक्ति के साथ संबंधों के मामले में भारत इतना संजीदा क्यों बना हुआ है। राजनयिक संबंधों का साढ़े सात दशकों का निर्विवाद काल कोई छोटी बात नहीं है, फिर भी विदेश नीति के मोर्चे पर मिस्र हमारा प्रमुख सहयोगी क्यों नहीं बन सका, यह प्रश्न भी विचारणीय है। भारत अपनी 'लुक वेस्ट' पॉलिसी को लेकर किस कदर उदासीन है इसका अनुमान इस बात से ही हो जाता है कि पिछले डेढ़ दशक में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री ने मिस्र की यात्रा नहीं की। आखिरी बार 2009 में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मिस्र गए थे। इस लिहाज से भी राष्ट्रपति सीसी का भारत दौरा ऐतिहासिक माना जा रहा है।

मिस्र परंपरागत रूप से भारत के सबसे महत्वपूर्ण अफ्रीकी व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। मार्च, 1978 से दोनों देश मोस्ट फेवर्ड नेशन क्लॉज पर आधारित द्विपक्षीय व्यापार समझौते से बंधे हुए हैं। हाल के वर्षों में भारत-मिस्र व्यापार संबंधों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 3.15 बिलियन डॉलर के वर्तमान भारतीय निवेश के साथ भारत मिस्र में सबसे बड़े निवेशक के तौर पर उभर कर आया है। भारत की तीन प्रमुख कंपनियों ने मिस्र में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 18 बिलियन डॉलर के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, आईटी, फार्मास्युटिकल्स, कृषि, उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में भारत और मिस्र के बीच बहुआयामी साझेदारी मजबूत हो रही है। पिछले कुछ समय से दोनों देश रक्षा और कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दे रहे हैं। पिछले साल भारत ने मिस्र को 61 हजार टन गेहूं का निर्यात किया है, जो निर्यात के लिहाज से अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

वर्तमान में दोनों देशों की सेनाओं के बीच पहला संयुक्त युद्धाभ्यास 'साइक्लोन-1' चल रहा है। राजस्थान के जैसलमेर में चल रहे इस युद्धाभ्यास के जरिए दोनों देशों की सेनाओं की संस्कृति और लोकाचार को समझने में मदद मिलेगी। मिस्र के साथ संबंधों की दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान मिस्र को अतिथि देश के तौर पर भी आमंत्रित किया है। अगले महीने बेंगलुरु में होने वाली एयरो-इंडिया प्रदर्शनी में भी मिस्र भाग ले रहा है।

एन.के. सोमानी

दरअसल, मिस्र इस समय आर्थिक कठिनाई के दौर में है। दीर्घकालिक आर्थिक संकट से बचने के लिए उसे तत्काल आर्थिक मदद की जरूरत है। ऐसे में सीसी भारत से बड़े निवेश की उम्मीद कर सकते हैं। दूसरी ओर एशिया, अफ्रीका और यूरोप के त्रिकोण पर अवस्थित होने के कारण भारत सामरिक मोर्चे पर मिस्र की अहमियत को अब समझने लगा है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि सीसी के इस दौरे से भारत-मिस्र संबंधों में मित्रता और सद्भाव के नए युग आगाज तो होगा ही, साथ ही नई दिल्ली और काहिरा के बीच के संबंध नेहरू-नासिर युग से आगे निकल कर मोदी-सीसी युग के तौर पर पहचान स्थापित करेंगे।

खनिज अधिकारी की अनदेखी के कारण रेत माफिया के हौंसले सातवें आसमान पर

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जिले भर में आजकल रेत माफियाओ द्वारा जिले की खनिज सम्पदा को दोनो हाथो से लूटा जा रहा है और संबंधित विभाग और अधिकारीयो को कलमकारों द्वारा निरंतर खबर प्रकाशन के माध्यम से मामले को संज्ञान में डालने के बाद भी खनिज विभाग के जिले में बैठे आला अधिकारी मौन धारण किये हुए है। जिसमे अव्वल दर्जे की ट्रेनींग लेकर शाजापुर में खनिज विभाग की सर्वे सर्वा बनकर बेठी कामिनी गौतम का माफ़ियाओ को खुलेआम शरण देना, सम्पूर्ण महकमे पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है। क्योंकि मेडम के संज्ञान में कार्यवाही की उपेक्षा लेकर पत्रकारों द्वारा बातों को तो डाला जा रहा है। लेकिन मेडम है कि मानने को तैयार नही है। अब क्या पता यह मेडम का अभिमान है या अंदरखाने कुछ और ही खिचड़ी पक रही है या फिर कामिनी गौतम का अंदेखिपन यह तो अब वही बता सकती है।

वह प्रदेश सरकार के सामने आने वाले निकटवतऽ विधानसभा चुनाव नजदीक होने के बाद भी सवालिया निशान खड़े करके प्रदेश सरकार की छवि को धूमिल करने में लगी हुई है। जिस तरह शहर से लेकर जिले तक मे अवैध उत्खनन करने वाले रेत माफिया बालू माफिया खनिज विभाग की संपदा को बड़ी बड़ी मशीनों के माध्यम से बेखोफ होकर खुदाई करने में लगे हुए है। उसी से तो यही लगता है की कामिनी गौतम की छत्रछाया तले ही करोड़ो रुपए यह अवैध व्यापार संचालित हो रहा है। प्रदेश सरकार को भी चाहिए की इन जैसे कामचोर अधिकारियों पर समय रहते कार्यवाही करे। जिससे खनिज माफियाओ में भी सख्त संदेश जाए ओर प्रदेश सरकार की छवि को खराब करने वाले इन कामचोर अधिकारियों पर गाज गिर सके।

अधिकारियों के सरक्षण तले चल रहे अवैध व्यापार से प्रदेश सरकार को रोजाना हो रहा है करोड़ों का घाटा

जिले भर में बिना अनुमति व बिना रॉयल्टी के चल रहे इस अवैध उत्खनन से रोजाना प्रदेश सरकार को करोड़ों रुपए का घाटा हो रहा है और संबंधित अधिकारी आज भी कार्यवाही के नाम पर लीपापोती करने में लगे हुए हैं। क्योकि माफियाओ के बीच मे आजकल एक कहावत बहुत मशहूर हो चुकी है कि, ÷शैया भये कोतवाल तो डर काहे का÷ कहने का मतलब यह है कि जब मेडम ने ही खुली छूट व संरक्षण दे रखा है तो डर किस बात का हम तो खुलेआम धरती का सीना चिरकर अवैध तरीके से अवैध उत्खनन करेंगे और प्रदेश सरकार को रोजाना ही करोड़ों की चपत लगाएंगे।

अब देखना यह भी दिलचस्प होगा कि, खबर प्रकाशन के बाद संभाग व प्रदेश में बैठे उच्च अधिकारी मामले की गंभीरता को समझकर कार्यवाही करते हैं या यूं ही माफियाओं द्वारा कामिनी गौतम के संरक्षण तले अवैध कारोबार इसी तरह संचालित होता रहता है।

जिला अस्पताल में नजर आया अंधविश्वास का खुला खेल

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

बीते दिनों मंदसौर जिला अस्पताल में अंधविश्वास का खुला खेल नजर आया, यहां एक परिवार आत्मा लेने पहुंचा। राजस्थान के चित्तौडगढ़ आए एक परिवार के कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में कुछ देर तंत्र-मंत्र किया और फिर यहां से चले गए। जिला अस्पताल से इस तरह आत्मा ले जाने का यह आठवां मामला है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ राजस्थान का एक परिवार जिला अस्पताल पहुंचा और अस्पताल के बाहर परिसर में तंत्र-मंत्र किया और चला गया।

इस परिवार के सदस्यों का कहना था, हमारे परिवार की महिला सुशीलादेवी की आत्मा अस्पताल में ही थी, हम उनकी आत्मा को लेने आए है। आत्मा लेने आए लोगों ने ही बताया की आठ साल पहले जिला अस्पताल में सुशीलादेवी की मृत्यु हो गई थी, सोमवार को सुशीलादेवी के पुत्र श्रवण के साथ परिवारजन आत्मा लेने के लिए यहां आए कुछ देर उन्होंने तंत्र-मंत्र किया और आत्मा कोसाथ में ले जाने का दावा कर यहां से चले गए।

शाहरुख खान की पठान मूवी को लेकर विरोध जारी

गायत्री मल्टीप्लेक्स ओर लोकेंद्र टाकीज में नही चले सुबह के शो, हिन्दू संगठनों की चेतावनी का दिखा असर

माही की गूंज, रतलाम।

शहरुख खान और दीपिका पादुकोण की चर्चित और विवादित फ़िल्म पठान का शहर में प्रसारण होने के पहले हिन्दू संगठनों की चेतावनी को देखते हुए मंगलवार की सुबह गायत्री सिनेमा में शहर के दोनों टॉकीज संचालको के साथ स्टेशन रोड़ थाना प्रभारी किशोर पाटनवाल ने बैठक करवाई थी। बैठक में हिन्दू संगठनों ने रतलाम में फ़िल्म पठान का प्रसारण नही होने की चेतावनी दी थी। बुधवार को फ़िल्म का प्रसारण होना था, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गायत्री सिनेमा और लोकेंद्र टॉकीज परिसर में सुबह से पुलिस फोर्स तैनात कर दिया था। पुलिस की मौजूदगी की वजह से सुबह नौ बजे का शो हो नहीं सका न ही कोई दर्शक ही फिल्म देखने पहुंचे। दोपहर बाद तक तीनो सिनेमाघरों में पठान का एक भी शो नही हो सका था।

दर्शकों ने वापस ली टिकट की राशि

शहर के दो सिनेमाघरों में फिल्म प्रदर्शित होने वाली थी। लोगों ने टिकट की एडवांस बुकिंग भी करवा रखी थी किंतु मंगलवार की शाम तक हुए बदलाव की वजह से बुधवार की सुबह लोग सिनेमाघर पहुंचे ही नहीं और अपनी एडवांस बुकिंग की राशि वापस ले ली। उनका कहना था कि, ऐसे पचेड़े में पड़ने की बजाय फिल्म ही नहीं देखें। कब विरोध प्रदर्शन उग्र हो जाए और मामला गड़बड़ हो इससे अच्छा फिल्म ही नहीं देखी जाए।

नदी में नाव चलाने गए किशोर की डूबने से हुई मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के संजीत गांव के पास रेतम नदी पर तीन किशोर नहाने व नांव चलाने के मकसद से घर से निकले थे। प्रारंभिक जानकारी मुताबिक नदी मे थोडी दुरी पर जाने पर अरमान और सोनु के साथी अतिक पिता अन्नु खां उम्र 17-18 साल करीब निवासी संजीत का पैर फिसल गया और वो पानी मे डुब गया। दोनो बालको की चिखपुकार के बाद ग्रामीणजन पहुचे और रेस्कयू शुरु किया। करीब 1 घंटे के बाद बालक के शव को पानी से निकाला गया। वही सुचना के बाद नाहरगढ थाना

पुलिस पहुंची और मृतक बालक के दो अन्य साथी अरमान और सोनु से हादसे के बारे मे पुछताछ की, और शव को पीएम हेतु मंदसोर जिला चिकित्सालय रवाना किया।

कांग्रेस की 'कैलेंडर वाली खुशी' का राज, क्या सच होगी भविष्यवाणी...?

भोपाल।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले एक कैलेंडर की खूब चर्चा हो रही है। कांग्रेस के कई नेता इसे दिखाकर अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि कैलेंडर में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत का दावा किया गया था, जोकि सच हो चुका है। कैलेंडर में शिवराज सरकार के लिए जो बातें लिखी गईं हैं, उसको पढ़कर कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी अपने लिए 'अच्छे दिन' नजर आ रहे हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस मीडिया सेल के प्रमुख केके मिश्रा पंचांग वाले कैलेंडर को दिखाते हुए कहते हैं, 'जबलपुर के बाबूलाल चतुर्वेदी ने इसे तैयार किया है। 2013 के लिए निकाले पंचांग में उन्होंने हिमाचल में कांग्रेस की सरकार बनने की बात कही थी, जो कि सच साबित हुई है। उसी आधार पर, उसी पंचांग में उन्हीं ग्रहों की गणना के आधार पर उन्होंने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना कही है और शिवराज की विदाई की ओर संकेत किया है। निश्चित तौर पर हम लोग इससे प्रफ्फुलित हैं।'

कैलेंडर को देख खुश होने वाले केके मिश्रा अकेले नहीं हैं। कमलनाथ के मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने भी इसी पंचाग को साझा करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'मध्य प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित पंडित बाबूलाल चतुर्वेदी जबलपुर के नव वर्ष पंचांग में जो भविष्यवाणी की गई है, उसके मुताबिक, शिवराज जी की कुसज खतरे में है और कांग्रेस की सरकार बनना तय है। हिमाचल में उनकी भविष्यवाणी पहले ही सच साबित हो चुकी है।' कांग्रेस पाटज़के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भी इसे पिछले दिनों इसे साझा करते हुए लिखा गया, 'छंटने को है अब अंधकार, आ रही है कमलनाथ सरकार।'

क्या लिखा है इस कैलेंडर में...?

कैलेंडर में मध्य प्रेदेश को लेकर लिखा गया है, 'वर्ष प्रारंभ से उत्तरार्ध तक का समय मुख्यमंत्री के लिए संकटकारी है। सरकार में बड़े परिवर्तन के योग हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी ने चर लग्न में शपथ ली है और राज्येश चंद्रमा छठे भाव में सूर्य के साथ होने के कारण उन्हें पूर्ण रूप से स्वतंत्र रूप से कार्य करने में कमी पैदा करता है, सरकार में आपसी सामंजस्य की कमी दिखाई देगी। सत्तारूढ़ पाटज़ में आपसी मतभेद रहेगा। मंत्रिमंडल में परिवर्तन की संभावना है। विपक्ष सरकार के प्रति सतत चुनौतियां पैदा करता रहेगा। कांग्रेस पाटज़ पहले से अधिक सशक्त दिखाई देगी, जिसका असर चुनाव में दिखाई देगा। केंद्र के सहयोग से कुछ नई जन कल्याणकारी योजनाएं प्रदेश में शुरू होंगी, जिससे जनमानस को लाभ होगा। खनिज के क्षेत्र से राजस्व बढ़ाने में सफलता मिलेगी।'

पठान पर प्रदेश में संग्राम, कई जिलों में शो हुए रद्द

भोपाल।

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म पठान रिलीज हो चुकी है। रिलीज होने के साथ ही देश में कई जगहों पर फिल्म का विरोध भी शुरू हो गया है। विरोध के चलते मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में आज रिलीज हो रही फिल्म पठान के शो को रद्द कर दिया गया है। पठान के पहले शो से पहले ही बजरंग दल के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने पहुँच गये। सैकड़ों की संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने गोल्ड सिनेमाघर पर लगे पोस्टर फाड़कर शाहरुख खान के चित्र पर जूते,चप्पल मारकर नारेबाजी की और थियेटर में लगी फिल्म पठान न चलाने की चेतावनी भी दी।

आपको बता दें कि, पूरे मध्य प्रदेश के साथ-साथ चंबल अंचल सहित मुरैना में भी रिलीज हो रही फिल्म पठान का विरोध देखने को मिल रहा है ।शहर की एमएस रोड स्थित गोल्ड सिनेमाघर में इस फिल्म पठान का शो 12 बजे से शुरू होना था। फिल्म पठान का पहला शो शुरू होने से पहले कि बजरंग दल के कार्यकर्ता थियेटर पर पहुंच गए और उन्होंने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जय श्रीराम के नारे भी लगाए गए। पोस्टर फाड़कर आग लगाई गई।

सूचना मिलने के बाद एसडीएम, सीएसपी, सिटी कोतवाली, थाना प्रभारी, सिविल लाइन थाना प्रभारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। बजरंग दल द्वारा विरोध प्रदर्शन के चलते थियेटर के मैनेजर को पठान फ़िल्म के शो को रद्द करना पड़ा। गोल्ड सिनेमाघर के मैनेजर ने तो एक पचज़भी चस्पा करा दी हैं की पठान फ़िल्म का शो बंद है।

बजरंग दल के जिला सयोंजक सुनील सिंह सिकरवार का कहना है कि, फिल्म पठान देश विरोधी फिल्म है और इस फिल्म में साजिश के तहत हिंदू और भगवा को बदनाम करने की कोशिश हुई है। मुरैना शहर के गोल्ड सिनेमाघर, मयूर सिनेमाघर और मुरैना थियेटर में फ़िल्म पठान को नहीं चलने दिया जाएगा। सभी हिंदूवादी संगठन ने ऐलान किया है कि इस फिल्म को किसी भी थियेटर में नहीं चलने दिया जाएगा क्योंकि इस फिल्म में जानबूझकर हिंदू और भगवाधारी को अपमानित किया गया है।

फ़िल्म पठान के विरोध प्रदर्शन के मामले को लेकर एसडीएम एलके पांडे का कहना है कि, सभी थियेटरों पर पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। साथ ही विरोध प्रदर्शन को देखते हुए बाजार, थियेटर पर पुलिस बल तैनात भी किया गया है और इस पर नजर बनाये हुए हैं।

ग्वालियर, इंदौर में भी प्रदर्शन

बता दें कि, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के रिलीज को लेकर मध्य प्रदेश के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन हुआ है। मुरैना के अलावा ग्वालियर में भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इस फिल्म को दिखाए जाने का विरोद किया है। इधर इंदौर में सपना संगीता टॉकीज के सामने एक हिंदू संगठन द्वारा बड़े पैमाने पर फिल्म का विरोध हुआ है। इसके बाद सुबह 9 बजे का शो रद्द कर दिया गया है।

वारदात के चार वर्ष एक दिन बाद दिया न्यायालय ने निर्णय, हत्या और एट्रोसिटी एक्ट में आजीवन कारावास

खुद को मरा दिखाकर बीमा राशि हड़पने के लिए आरोपी हिम्मत ने मार दिया था बेकसूर को, कर्ज न चुकाना पड़े इसलिए रची थी खुद के मरने की साजिश

माही की गूंज, रतलाम।

बीस लाख की बीमा राशि के लिए खुद को मरा दिखाने के लिए अपने नोकर की हत्या करने वाले एक व्यक्ति को जिला न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपी आर एसएस का स्वयंसेवक भी रहा था। आरोपी ने हत्याकांड को अंजाम टीवी और फिल्मों को देखकर दिया था। आरोपी हिम्मत पाटीदार को वारदात के पूरे चार साल एक दिन रतलाम जिला न्यायालय के एट्रोसिटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश डीएस चैहान ने प्रकरण की सुनवाई के पश्चात आज निर्णय सुनाया जिसमे आरोपी हिम्मत पाटीदार को धारा 302 ओर एट्रोसिटी एक्ट में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

विशेष लोक अभियोजक नीरज सक्सेना ने बताया, आरोपी हिम्मत पाटीदार पर आरोप था कि उसने मदनलाल मालवीय की हत्या कर साक्ष्य को छिपाया। यह घटना 22- 23 जनवरी 2019 को आरोपी ने अपने गाँव कमेड़ में अपने खेत पर ही कारित की थी। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के कमेड़ में हुए बहुचर्चित हत्याकांड के आरोपी हिम्मत पाटीदार को रतलाम पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ के अनुसार हिम्मत ने टीवी और फिल्मों को देखकर इस तरह के हत्याकांड की पूरी साजिश रची थी।सुनियोजित तरीके से रची गई साजिश का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस टीमों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारियां एक-दूसरे को साझा करते तीन टीमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान रवाना की गई थीं। तभी 30 जनवरी को सायबर टीम को जानकारी मिली की आरोपी पिछले 2-3 दिनों से जिला प्रतापगढ़ में एक धार्मिक स्थल की धर्मशाला में रुका है इस सूचना पर पुलिस ने हिम्मत को राजस्थान जिला प्रतापगढ़ की धर्मशाला से पकड़ा था। आरोपी हिम्मत ने पुलिस को प्रारंभिक पूछताछ मे बताया था कि उस पर 26 लाख रुपये का कर्जा हो गया था। तब उसने स्वयं का 20 लाख रुपये का सुनियोजित तरीके से एक माह पूर्व अपना बीमा कराया था। उसके बाद टीवी और फिल्मों को देखकर किसी अन्य को अपने स्थान पर मारकर खुद की हत्या की साजिश रची। साजिश के तहत गांव के ही कालू उर्फ रामगोपाल को निशाना बनाया, कालू को घटना के तीन दिन पहले बालों की हेयर स्टाइल को अपनी हेयर स्टाइल जैसा बनाने के लिये कटिंग की दुकान पर ले गया। घटना के पहले ही अपने खेत पर बने टपरे में तलवार छिपा ली थी। 22-23 जनवरी की दरमियानी रात को सोची समझी साजिश के तहत पहले कालू को अपने खेत पर बुलाने के लिये फोन लगाया तो कालू ने मना कर दिया। फिर दोबारा फोन लगाने पर भी कालू ने आने से इंकार किया।इसके बाद आरोपी हिम्मत कालू के खेत पर मोटर साइकिल से गया, जहां वह मजदूरी करता है. परन्तु कालू खेत पर भी नहीं मिलने पर पास के ही खेत मे काम करने वाले मदन, जो पूर्व मे उसके खेत पर मजदूरी करता था, को अपनी मोटर साइकिल पर बैठाकर अपने खेत पर ले आया।

फटे पुराने कपड़े उतरवाकर नये कपड़े एवं जैकेट दिया

आरोपी हिम्मत ने ठंड अधिक होने का झांसा देकर मदन को बोला कि, मैंने इनर (गर्म कपड़े) पहन रखे हैं, तू मेरे कपड़े पहन ले, इस पर मदन ने उसके फटे पुराने कपड़े उतारकर हिम्मत के कपड़े एवं जैकेट को पहन लिया. उसके बाद दोनों ने बैठकर बीड़ी पी, बीड़ी खत्म होते ही हिम्मत ने पीछे से हमला कर जान से मारने की नीयत से मदन का गला दबा दिया। अर्ध मूर्छित होने पर खेत पर छिपा कर रखी तलवार से गले पर वार किया। उसके बाद भी मदन के शरीर मे हरकत होने पर उसके चेहरे पर खेत की सूखी घास डालकर उसकी असली पहचान छिपाने के लिये उसका चेहरा जला दिया जिससे यह लगे की हिम्मत मर चुका है। घटना करने के बाद मदन के कपड़े घटनास्थल से दूर जाकर सड़क पर इधर-उधर रास्ते में फेंक दिए व तलवार झाड़ियों में छिपा दी और इंदौर की ट्रेन मे बैठ गया।

जिसे मृतक माना जा रहा था वही निकला असली दोषी

सर्वप्रथम हिम्मत पाटीदार की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ था कि जिस हिम्मत पाटीदार को मृतक माना जा रहा था, वह तो जीवित था और वही असली दोषी था। मृतक तो मदन लाल था, हिम्मत ने उसकी हत्या करने के बाद शिनाख्त बिगाड़ने के लिए उसका चेहरा जला दिया था जिससे लोगों को यह प्रतीत हो कि मरने वाला हिम्मत पाटीदार है। पुलिस जांच में डीएनए टेस्ट के बाद यह साबित हुआ था कि मरने वाला हिम्मत नहीं बल्कि मदन था। पुलिस तभी से हिम्मत की तलाश में थी ओर उसको पकड़कर जब पूछताछ की तो यह घटनाक्रम उजागर हुआ। पुलिस ने आरोपी हिम्मत पाटीदार को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय में पेश किया था। चार साल बाद न्यायलय ने सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुनाते हुऐ आरोपी हिम्मत पाटीदार को धारा 302 ओर एट्रोसिटी एक्ट में आजीवन कारावास को सजा सुनाई।

घोड़ावत जी के स्मृति दिवस पर उमड़ा जिले के पत्रकारों का सैलाब, सभी ने दी श्रद्धांजलि

पत्रकार सम्मेलन में पत्रकार पुरस्कार 2022-23 के साथ प्रतिभा सम्मान व कोरोना काल कर्तव्य योद्धा पत्रकार सम्मान से किया सम्मानित

साहस व निष्पक्षता ही असल पत्रकार की पूंजी है- श्री सुरेश शर्मा

प्रतिभाओं का अतिथियों ने किया सम्मान।

पत्रकार पुरस्कार से किया सम्मानित।

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला पत्रकार संघ झाबुआ व पत्रकार संघ इकाई पारा के तत्वाधान में स्वगज़्य श्री घोड़ावत जी की नवम स्मृति दिवस पर पत्रकार महासम्मेलन का आयोजन कर पत्रकारो ने श्री घोड़ावत जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला पत्रकार संघ के बेनर तले 20 जनवरी को ऐतिहासिक उक्त पत्रकार सम्मेलन में जिले की सभी ईकाईयो से बड़ी सख्या में पत्रकारगण उपस्थित हुए।

आयोजन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश शर्मा भोपाल, विशेष अतिथि गढ़ी राजस्थान के साहित्यकार घनश्याम भाटी व एजेयू महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रिय संयोजक आभा निगम देवास थे। साथ ही मंचासीन अतिथियों में जिला पत्रकार संघ सरक्षक संजय भटेवरा, हरिशंकर पवार ,ठाकुर निर्भय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अमृतलाल जैन, युवा पत्रकार नरेश प्रतापसिंह राठौर, जिले के साहित्यकार प्रदीप अरोड़ा, जिला अध्यक्ष राजेश सौनी मंचासीन थे। आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित के साथ स्वगज़्य घोड़ावत जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। अतिथियों का स्वागत जिलापत्रकार संघ के संरक्षक मनोज चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्षगण डॉ अनिल श्रीवास्तव, मोहन संघवी, मुज्जमिलमंसूरी, सत्यनारायण सिंह गौड़, जिला सचिव शैलेंद्र राठौर, भूपेंद्र नायक, दिनेश वैरागी, राकेश गेहलोत, शाबिर मंसूरी, पेटलावद तहसील अध्यक्ष मनोज जानी, थांदला तहसील अध्यक्ष मनीष अहिरवार, मेघनगर तहसील अध्यक्ष राजेंद्र सोनगरा, राकेश गहलोत ,पारा इकाई के गजेंद्र चैहान, काकनवानी के नरेश पंचाल, पेटलावद नगर अध्यक्ष जितेश विश्वकर्मा, जितेंद्र वैरागी, अंकित भंडारी, परिवेश पटेल, संजय उपाध्याय, रेखा भूरिया, अभय जैन, धीरज बुंदेला, कांतिलाल परमार, हरीश पांचाल, राहुल पांचाल, मुकेश परमार, मुकेश चैहान, महेश पांचाल, जितेंद्र बसेर, विक्रम बुंदेला, अर्जुन नायक, लवेश स्वर्णकार, परवेश पटेल, जीवन पाटीदार, सुशील पाटीदार, श्रीमती अलका शम्भूजी राठौड़, शुभम कोटडिया, राहुल राठौड़, लक्की राठौड़, संजय उपाध्याय, हेमंत राठौड़, संजय अग्रवाल, राधेश्याम परिहार, विनय पांचाल, सिराउद्दीन बोहरा, संदीप जैन,आदि ने किया।

मंच पर स्वगज़्य यशवंत घोड़ावत के भ्राता व पुत्र कुलदीप घोड़ावत को भी पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष राजेश सोनी ने देते हुए आयोजन के उद्देश्य व संगठन की सामूहिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने संगठन की जिलेभर की 31 इकाइयों का उल्लेख करते हुए संगठन को सदैव पत्रकारों के हित मे कार्यरत बताया।

डॉ अनिल श्रीवास्तव ने ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथी श्री शर्मा पत्रकारो को संबोधित करते हुए।

जिले भर के बड़ी सख्या में पत्रकार हुए शामिल।

संगठन के सरक्षक संजय भटेवरा ने कहा पद मायने नहीं रखता, पत्रकारिता के लिए समर्पण मायने रखता है। दादा घोड़ावत जी के आशीर्वाद से हम संगठन की सामूहिकता व अनुशासन सहित समय-समय पर शिक्षकसम्मान, प्रतिभा सम्मान, होली, दिवाली मिलन समारोह आदि का आयोजन करते हैं। खवासा क्षेत्र में भी प्रतिवर्ष 15 अगस्त पर श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया जाता है। यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। आपने पत्रकारिता की चुनौतियों व मार्ग में आ रही कठिनाइयों सहित वर्तमान पत्रकारिता की स्थिति बताई।

संरक्षक हरिशंकर पवार ने कहा, कांटों का ताज होती है पत्रकारिता, बहुत चुनौतियों के साथ निडरता व निष्पक्षता बनाए रखते हुए आगे बढ़ना है। आपने घोड़ावत जी के साथ घोड़ावत जी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती आभा निगम ने महिला शक्ति की पत्रकारिता में कमी को बताते हुए कहा, महिलाओ को भी आगे आना चाहिए हर क्षेत्र में महिला बढ़ रही है तो पत्रकारिता में भी आगे आए। आपने अपने अनुभव को काव्यात्मक अंदाज में भी बताया।

गढ़ी,राजस्थान से पधारे साहित्यकार एवं इतिहासकार घनश्यामसिंह भाटी ने ओजस्वी वाणी में आजादी आंदोलन से आज तक की पत्रकारिता का संक्षेप में इतिहास बयां करते हुए प्रखर पत्रकार रहे गणेश शंकर विद्याथज्, मामा बालेश्वर दयाल, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण भट्ट, शरद जोशी, प्रभाकर माचे का जिक्र किया। आपने कहा यशवंत घोड़ावत जी पत्रकारिता के यश थे व रहेंगे। झाबुआ ही नहीं मालवा, निमाड़ व राजस्थान के भीलाचल बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ तक उनका यश पत्रकारिता की निष्पक्षता व बेबाकी में फैला है।

राष्ट्रीय कवि निसार पठान ने कहा घोड़ावत जी के कृतित्व, व्यक्तित्व के उदाहरण, अनुभव शब्दों में साझा किया। तत्कालीन कलेक्टर व प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के सामने भी, पीड़ितों के लिए आवाज थे घोड़ावत जी।

साहित्यकार प्रदीप अरोड़ा ने शब्दों के संयोजन को जोहरी पत्रकार बताते हुए उनसे समाज व शोषित को बहुत अपेक्षा है बताया।

मुख्य अतिथि सुरेश शर्मा ने कहा जिला पत्रकार संघ झाबुआ के सभी पत्रकार साथियों को सैल्यूट करता हूं, जो अपने पुरोधा पुरुष को जीवंत रखते हुए प्रतिवर्ष पुण्यस्मरण आयोजन करता है। यशवंत जी सूफी फकीर की तरह मस्त अंदाज के पत्रकार थे, उनके नाम से अखबार चलते थे, आज पत्रकारिता बदल रही है परिवर्तन भी लाजमी है। साहस व निष्पक्षता ही असल पत्रकार की पूंजी है। मैं देशभर में जाता हूं पर किसी पत्रकार के लिए इतना बड़ा सम्मान स्मृति समारोह आज तक नहीं देखा। आज कल पत्रकारिता में भी खतरे बहुत है, कारण इनमें माफिया की मिलावट हो रही है, जो पत्रकारिता की चैखट को कलंकित कर रही है, पत्रकारिता एकता अनुशासन बना रहे यही अपेक्षा है।

प्रतिभा सम्मान

आयोजन में पारा संकुल क्षेत्र में प्रतिभा सम्मान में शा.बा.उ.मा.वि के 12वीं में श्रेष्ठ अंक लाने में किशन पिता भयानक जमरा, 10वी में सचिन जितेंद्र सिंह चगोड़ एवं शा.कन्या.उ.मा.वि 10वी में कु. सारामती मानसिंह व 12वी में कु.रौनक दल्का सिसोदिया का सम्मान किया। साथ ही खवासा संकुल क्षेत्र से प्रथम व द्वितीय आने वाले सत्य सॉई स्कुल की 12 वी की छात्रा मुस्कान व उसकी छोटी बहन देविका देवेन्द्र सिंह जादव ने 10 वी में क्षेत्र के साथ जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मान किया। संकुल क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 12वी के उज्ज्वल कांतिलाल चैहान व 10 वी में सुहानी राजेन्द्र पाटीदार को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए।

कोरोना काल कर्तव्य योद्धा सम्मान से किया सम्मानित

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकार अल्केश बसेर सारंगी का सम्मान उनके पुत्र आयुष बसेर को, तेजमल डाबी (चंदू प्रेमी) थांदला का सम्मान उनके पुत्र कुंतल डाबी को, राकेश पाठक थांदला का सम्मान पुत्र एडवोकेट तन्मय पाठक को, दिलीप जोशी थांदला रोड का सम्मान पुत्र पवन जोशी को, चंद्रकांत वर्मा अंतरवेलीया का सम्मान पुत्र कीर्तिश वर्मा को, कांतिलाल कोटडिया का सम्मान स्थानीय पत्रकार को दिया गया।

2022-23 पत्रकार पुरस्कार से यह हुए सम्मानित

2022-23 पत्रकार पुरस्कार में उदयीमान पत्रकार पुरस्कार से बरवेट के युवा पत्रकार जगदीश प्रजापत को सम्मानित किया। आजीवन प्रखर पुरस्कार से वरिष्ठ पत्रकार अमृतलाल जैन को पत्रकारिता के 49 वर्ष पूर्ण करने पर सम्मान दिया। सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान (मरणोपरांत) यशस्वी पत्रकार स्वगज़्य घोड़ावत जी जिन्हें गुरु भी मानते थे व मित्र भी ऐसे व्यक्तित्व स्वगज़्य लक्ष्मीनारायण जी पाठक सहकारिता के पित्र पुरुष को सम्मान दिया गया, जिन्हें उनके पुत्र कपिल पाठक ने ग्रहण किया।

कार्यक्रम के दौरान पारा के पत्रकार ड़ॉ अनिल श्रीवास्तव द्वारा लिखित गजल संग्रह रिश्ते जख्म का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला पत्रकार संघ के महासचिव अक्षय भट्ट ने किया। अंत में आभार पारा के युवा पत्रकार शेलेंद्र राठौर ने व्यक्त किया। विद्यार्थियों के समारोह में सम्मानित होने पर पारा बालक स्कूल प्राचार्य अबरार खान एवं कन्या स्कूल प्राचार्य गुलाबसिंह सहित स्टाफ व पालकों ने पहली बार वृहद आयोजन हुआ व बच्चों को ऐसे आयोजन में सम्मानित होने पर ऐतिहासिक व प्रेरणास्पद बताया। जिले भर के पत्रकारों ने सहभोज व स्नेह उपहार भी ग्रहण किया।

जिला पत्रकार संघ व ईकाई पारा ने अतिथीयो को प्रतिक चिन्ह देकर किया सम्मानित।

कोरोना काल कर्तव्य योद्धा सम्मान से परिजनो को किया सम्मानित।

जिले भर के पत्रकारो ने स्वर्गीय श्री घोडावत जी को दी पुष्पाजंलि।

पत्रकार डां.अनिल श्रीवास्तव की लिखी रिसते ज़ख्म की गजल संग्रह किताब का किया विमोचन।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर किया गैंगरेप, पीड़िता ने दर्ज करवाया मुकदमा

शहडोल।

जिले की रहने वाली एक 22 वषज्य युवती के साथ गैंग रेप किए जाने का मामला सामने आया है। युवती के साथ यह घटना भोपाल में हुई है। युवती काम की तलाश में भोपाल निवासी कृष्णा नामक युवक के बुलावे पर भोपाल गई थी। जंहा युवक ने उन्हें मना कर दिया कि अभी काम नही मिल पायेगा वापस लौट जाओ। बताया जा रहा है कि युवती को रेलवे स्टेशन के बाहर एक ऑटो वाला मिला जो काम दिलाने के बहाने युवती को कार से दो अन्य साथियों के साथ बिठाकर ले गया और एक मकान में ले जाकर गैंगरेप को अंजाम दिया गया। पीड़िता ने वहां से वापस लौट कर मामले की शिकायत थाने में की है। शिकायत पर स्थानीय पुलिस ने मामला जीरो में कायम कर डायरी भोपाल भेजी है, जहां से अब आगे की कार्रवाई जारी है।

नहीं मिला काम

शहडोल की युवती से भोपाल में गैंग रेप का यह मामला 12 जनवरी का है, जिसकी शिकायत 1 सप्ताह बाद 19 जनवरी को युवती ने वापस लौट कर शहडोल के थाने में दर्ज कराई है। युवती ने अपनी शिकायत में बताया है कि वह काम की तलाश में भोपाल निवासी कृष्णा नामक युवक के बुलावे पर भोपाल गई थी। रेलवे स्टेशन से उसने कृष्णा को अपने आने की जानकारी दी। युवक स्टेशन पर आकर मिला। उसने कहा, अभी काम नहीं मिल पाएगा, वापस लौट जाओ।

झांसा देकर ले गया ऑटो चालक

जिसके बाद पीड़िता रेलवे स्टेशन पर ही बैठी रही। सुबह लगभग 8 बजे वह प्लेटफार्म नंबर 6 से बाहर निकलीं। स्टेशन के बाहर एक ऑटो वाला मिला, जिसने युवती से पूछा- कहां जाओगी। युवती ने कहा शहडोल जाना है। इसके बाद ऑटो चालक वहां से चला गया। लेकिन कुछ देर बाद वह चार पहिया लेकर वापस लौटा। जिसमें तीन लोग सवार थे। आरोपी युवती को काम दिलाने के बहाने भोपाल स्थित एक घर में ले गया।

वहां ले जाकर आरोपी ऑटो चालक व एक अन्य व्यक्ति ने युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया। तीसरा व्यक्ति ने भी अपने नापाक इरादे को अंजाम देने का प्रयास किया। लेकिन, युवती के मना करने और उसकी हालत देखकर उसने उसे वहां से भगा दिया। जिसके बाद युवती जैसे-तैसे अपने घर जाने के लिए ट्रेन में बैठ गई। लेकिन वह गलती से ग्वालियर पहुंच गई।

एक व्यक्ति की मदद से वह कटनी से सतना होते हुए मैहर पहुंची। जहां अपनी बहन से युवती ने आपबीती बताई। उसके डर और मानसिक स्थिति को देख बहन ने अपने घर पर उसे रोक लिया। युवती की स्थिति ठीक होने पर वह उसको अपने साथ लेकर यहां आई और परिजनों के साथ जाकर मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर शिकायत दर्ज की गई है। मामला ज़ीरो पर कायम किया है गया है। केस की डायरी भोपाल भेजी जाएगी। घटनास्थल भोपाल होने के कारण आगे की जांच भोपाल पुलिस करेगी।

पुलिस को टाप-10 लिस्टेड फरार आरोपी को पकड़ने मे मिली बड़ी सफलता

माही की गूंज, सुवासरा।

वर्तमान मे पुलिस अधीक्षक जिला मंदसौर अनुराग सुजानिया भा.पु.से. के द्वारा जिले मे टाप-10 लिस्टेड वारंटीयो के घर पकड़ हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में महेन्द्र तारनेकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ, सुश्री निकिता सिंह, एसडीओपी सीतामऊ के मार्गदर्शन मे शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी सुवासरा के द्वारा थाना स्तर पर वारंटियो की धरपकड़ हेतु टीमो का गठन किया गया जिसमे शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी के कुशल नेतृत्व मे विकास गेहलोत को सफलता मिली है। न्यायालय सीतामऊ के द्वारा प्रकरण क्र. 238/2013 अपराध क्रमांक 97/2012 धारा 457, 380 भादवि में दिनांक 28-06-2022 को नकबजनी मे आरोपी कृपाल सिंह पिता रतनसिंह सोंधिया निवासी आम्बा थाना सुवासरा की गिरफ्तारी हेतु स्थाई वारंट जारी किया गया था। उक्त प्रकरण करीब 11 वर्षो से न्यायालय मे लंबीत था। जो उक्त प्रकरण मे फरार आरोपी को चिन्हीत कर टाप-10 की सूची में लिया गया था। फरार स्थाई वारंटी की गिरफ्तारी हेतु भरसक प्रयास किए गए परिणाम स्वरुप दिनांक 24-01-2023 को आरोपी कृपाल सिंह को थाना प्रभारी सुवासरा व उनकी टीम के अथक प्रयासों से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया। आरोपी की गिरफ्तारी में शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी सुवासरा, विकास गेहलोत चैकी प्रभारी रुनीजा, प्रधान आरक्षक 524 मनीष लबाना, आर. 880 घनश्याम, आर. 479 जुझारसिंह, आर. 839 मनीष पाटीदार का योगदान रहा।

स्वयंसेवक कदमताल करते निकले नगर में, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

माही की गूंज, सारंगी।

निर्धारित गणवेश में घोष के साथ नगर मे स्वयंसेवक निकले मार्ग में माताओ-बहनो ने जगह-जगह पुष्प् वर्षा कर स्वागत किया।

मुख्य वक्ता ने कहा कि, हम सौभाग्यशाली है की हमारा जन्म भारतभूमि पर हुआ हे। जहां देवता भी जन्म लेने के लिए तरसते हे। चार हिन्दू एक दिशा में तब चलते है, जब पांचवा उनके कंधे पर होता हे। लेकिन यह कठिन लगने वाला कार्य प. पु. डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने करके दिखाया हे। वे जन्मजात देश भक्त थे घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होते हुए भी डॉ की पढ़ाई की और देश के विशिष्ट 80 डॉ में से एक वे थे उन्होंने घर की आर्थिक स्थिति को न देखकर कोई चिकत्सालय नहीं खोला उन्होंने मानव चिकित्सा को छोड़ कर हिन्दू समाज की चिकित्सा की और हिन्दू समाज को संगठित किया। संगठित समाज ही सभी समस्याओ का समाधान कर सकता हे। संघ व्यक्ति को देश, धर्म के लिए जीना सिखाता है। इसीलिए हम सभी को संघ की शाखा मे नियमित जाना चाहिए! मुख्य वक्ता ने कहा की व्यक्तिगत स्वार्थ छोड़ कर राष्ट्र के लिए कार्य कर भारतमाता को परमवैभव पर स्थापित करना हे। कार्यक्रम स्थल पर मूलचंद दास हनुमान मंदिर पुजारी, सहजिला धर्म जागरण संयोजक वक्ता जगदीश नीनामा, खंड प्रचार प्रमुख अर्जुन सोलंकी, खंड शारीरिक प्रमुख रामचंद्र डामर और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बड़ों के साथ-साथ बच्चे भी लग रहे शिव आराधना में

प्रत्येक रविवार करेंगे मंदिर की साफ-सफाई

माही की गूंज, आम्बुआ।

इन दिनों क्षेत्र में शिव पूजा आराधना आदि का विशेष ध्यान दिया जा रहा है पंडित प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले की शिव पुराण कथा का असर बड़ों के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चों पर भी पड़ता दिख रहा है। आम्बुआ में कई छोटे बच्चे सुबह शाम मंदिर में दिखाई दे रहे हैं इन बाल शिव आराधकों ने यह निर्णय लिया है कि वह प्रत्येक रविवार मंदिरों में साफ-सफाई करेंगे इसी कड़ी में आज 22 जनवरी को इन्होंने कार्य का श्रीगणेश भी कर दिया।

जैसा की विदित है भगवान भोलेनाथ की शिव पुराण कथा विगत वर्षों से सीहोर वाले पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा कुबरेश्वर धाम में तथा अन्य स्थानों पर की जा रही है उनका एक वाक्य एक लोटा जल सारी समस्याओं का हल तथा शिवपुराण के मूल मंत्र श्री शिवाय? नमस्तुभ्यम् का ही असर है कि शिव मंदिरों में भीड़ बढ़ने लगी है बड़े स्त्री पुरुषों के साथ ही छोटे छोटे नन्हे मुन्ने मुन्निया भी शिव आराधना में जुटे हैं। बच्चे स्कूल जाने से पहले शिव जी को एक लोटा जरूर चढ़ा रहे हैं यही नहीं गुरु श्री मिश्रा जी द्वारा परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु मन लगाकर पढ़ाई करने तथा परीक्षा देने के पूर्व बिलपत्र पर शहद लगाकर शिवजी को चढ़ा कर जाने का भी असर पड़ा है बच्चे यह उपाय भी करते नजर आ रहे हैं आज 22 जनवरी 23 को ऐसे ही बाल शिव भक्तों ने मंदिरों तथा मंदिर प्रांगण की सफाई की तथा प्रत्येक रविवार सफाई करने का संकल्प लिया आम्बुआ के वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा तथा दिलीप सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में बच्चों ने सफाई की कमान संभाली और देखते देखते अंबे माता, हनुमान जी तथा शिवालय को चमका दिया इसी के साथ-साथ बच्चों ने शिव मंदिर में शाम के समय आरती एवं भजन करने की बात भी कही है श्रमदान उपरांत मंदिर प्रांगण में बच्चों ने एक साथ स्वल्पाहार किया बच्चों में माहेश्वरी परिवार, राठौड़ परिवार तथा सेन परिवार के बच्चे शामिल हुए तथा आगामी दिनों में संख्या और अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर हुई धोखाधड़ी

माही की गूंज, करवड़।

फजज़ कॉल के जरिये लोगो को निशाना बनाकर उनके बैंक खातों से राशि उड़ाने का काम कर रहे हैं। ऐसे फजज़ फोन कॉल के माध्यम से होने वाली ठगी को लेकर लगातार मीडिया और सोशल मीडिया पर लगातार खबरे आ रही है, लेकिन फिर भी ग्रामीण क्षेत्रो के लोग ऐसे फजज़ फोन काल का निशाना बना कर लूट का शिकार हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम करवड़ के रहने वाले संजय पिता राधेश्याम पाटीदार के साथ हुआ, जिसको फजज़ कालर ने आयुष्मान कार्ड बनाने का झांसा देकर खाते से 9 हजार से अधिक राशि उड़ा ली। संजय पाटीदार के मोबाइल पर आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए फोन आता है, जिससे संजय पाटीदार के मोबाइल पर एक ओटीपी नंबर आया था, जिसे ऑनलाइन ठगी करने वालों ने संजय को बहला-फुसलाकर आयुष्मान कार्ड बनाने के नाम पर ओटीपी नंबर मांगा गया, संजय ने ओटीपी नंबर दिए तो उसके अकाउंट से ऑनलाइन पैसे निकाले गए। जिसके पश्चात संजय पुलिस चैकी करवड़ पर आवेदन देने गया तो पुलिस चैकी के द्वारा आवेदन नहीं लिया गया और झाबुआ आवेदन देने का कहा गया। आश्चर्य का विषय हैं कि, लोग ऐसी ठगी का शिकार होकर पुलिस की शरण मे जाते हैं लेकिन पुलिस ऐसा मामलो में कोई रुचि नही लेती और न ही प्रकरण दर्ज करती हैं।

नगर में चली प्रशासन की अतिक्रमण मुहिम

माही की गूंज, जोबट।

नगर में अतिक्रमण की मुहिम को लेकर पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, नगर परिषद और पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंचा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। नगर परिषद जोबट से लेकर जोबट के मुख्य मार्गो पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम को लेकर बुधवार को बडी कार्रवाई की गई है। मौके पर एसडीओपी नीरज नामदेव, सीएमओ आरती खेडेकर, थाना प्रभारी विजय देवड़ा और राजस्व विभाग, तहसीलदार और अन्य दल बल के साथ जोबट नगर में अतिक्रमण की कार्रवाई को लेकर कार्रवाई की गई।

बच्चो को नहीं दिया जाता मीनू अनुसार भोजन, जनपद सदस्य व सरपंच ने जताई नाराजगी

माही की गूंज, थांदला।

मंगलवार को खजुरी पंचायत सरपंच रुसमाल मेड़ा, क्षेत्र के जनपद सदस्य मुकेश भाभर ने ग्राम खजुरी स्थित माध्यमिक शाला में बच्चो को परोसा जाने वाले मध्यान्ह भोजन का आकास्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया की स्कूल में जो मध्यान्ह भोजन मीनू चार्ट लगा है, उससे परे स्वयं सहायता समूह द्वारा मात्र कुछ बच्चो को खिचड़ी परोसी जा रही। इस पर सरपंच मैडा व जनपद सदस्य ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शासन के नियम व मीनू अनुसार मध्यान्ह भोजन वितरण करने और उसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश प्रधानाध्यापक को दिए। जनपद सदस्य व सरपंच ने बताया कि, स्कूल में अंबिका स्वयं सहायता समूह भोजन वितरण कर रहा उसकी शिकायत पूर्व में कलेक्टर, बीआरसी से कर चुके है और पंचायत द्वारा ग्राम सभा में भी उक्त समूह को हटाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। बावजूद उच्चाधिकारी व राजनीतिक दबाव के चलते उक्त अंबिका समूह को हटाने से कतरा रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि, अंबिका समूह पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष की पत्नी का है और वो ही अंबिका स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष है। सरपंच मेड़ा तथा जनपद सदस्य ने कहा कि, अधिकारीगण शायद पैसा एक्ट कानून नही मानते इसलिए हमारा कहना यह है की ना लोकसभा, ना विधानसभा सबसे बड़ी ग्राम सभा फिर भी ग्राम सभा के प्रस्तावों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। माध्यमिक शाला में निरीक्षण करने पहुंचे जनपद सदस्य मुकेश भाभर, सरपंच रुसमाल मईडा, सचिव नाहरसिंह मेडा, सहायक सचिव वीरेंद्र देवदा एवं समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

चाइनीस मांझा में उलझ कर मूक पक्षी गवा रहे जान

माही की गूंज, आम्बुआ

आसपास के क्षेत्र में विगत दिनों सनातन धर्म का प्रमुख धार्मिक त्योहार मकर सक्रांति संपन्न हुआ। इस धार्मिक आयोजन में गुजरात की तर्ज पर पतंगबाजी की जाती है, जिसको धागे (मांझा) के सहारे उड़ाया जाता है। विगत वर्षों से देसी धागा (मांझा) की जगह चाइनीस मांझा उपयोग में लाया जा रहा है जो की बाजारों में प्रतिबंध के बावजूद बड़े पैमाने पर बेचा जा रहा है। जिससे पशु-पक्षियों के साथ-साथ मानव जीवन को भी हानि हो रही है।

सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करने के कारण मकर सक्रांति जो कि, हिंदू सनातन धर्म का विशेष त्यौहार है। जिसमें तिल गुड़ के लड्डू तथा खिचड़ी बनाकर भगवान को प्रसादी अर्पित की जाती है, इसी का दान करने का रिवाज भी है, लेकिन कुछ वर्षों से पतंगबाजी का आयोजन भी किया जाता है। पतंग उड़ाने के लिए पूर्व में देसी धागा पर मांझा चढ़ाया जा कर उससे पतंग उड़ाई जाती थी, मगर फिर चाइनीस धागा बिकने लगा धागा (मांझा) बहुत तेज तथा कड़क होता है, इस कारण यह जब पतंग कटने के बाद अलग होकर वृक्षों आदि में लिपट जाता है कई बार कटी पतंग के साथ धागा भी नीचे की ओर उड़ता है। पैदल या दोपहिया वाहनों से चलने वालों के गले नाक आदि से रगड़ कर हानि पहुंचाते हैं जिसके समाचार विगत दिनों से सुर्खियों में रह रहे हैं यह धागा पेड़ों में उलझा रह जाने के कारण निरीह बेजुबान पक्षी जिसमें कबूतर, बगुले, चमकादड़ , उलझ कर अपनी जान गवा रहे हैं आम्बुआ पंचायत प्रांगण के पास खड़े पीपल पेड़ पर विगत वर्ष ऐसे कई पक्षियों की जान चली गई इस वर्ष भी बगुला तथा चमगादर धागे में उलझ कर जान गवा चुके हैं जो कि पेड़ पर टंगे हुए देखे जा सकते हैं शासन प्रशासन चाइनीस मांझा प्रतिबंध की बात तो कहते हैं मगर विक्रेताओं की दुकानों पर जांच आदि नहीं करते हैं जिस कारण चाइनीस पतंग धागा खुलेआम बाजारों में बेचा जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

माही की गूंज, चंद्रशेखर आजाद नगर।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्थानीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को कानूनी अधिकार एवं अधिनियमो के साथ ही रोजगार जागरूकता व वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता एवं एडवोकेट सुधीर जैन व आरसेटी के निदेशक श्याम पाटीदार थे। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र बैरागी ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुधीर जैन ने बालिका दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम के तहत विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें ऐसे आपराधिक मामलों में कैसे सहायता एवं त्वरित कार्यवाही की जानी चाहिए इस हेतु समझाइश दी। साथ ही श्री जैन ने बालिकाओं को किशोर न्याय अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की भी महत्वपूर्ण जानकारी देकर उन्हें प्रेरित किया। इसके साथ ही वित्तीय साक्षरता के तहत बैंकिंग प्रणाली बचत का महत्व बताकर जनधन की योजनाओं की जानकारी मौजूद बालिकाओं को दी। आरसेटी के निदेशक श्याम पाटीदार ने विभिन्न व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे सिलाई मशीन ब्यूटी पार्लर कंप्यूटर सहित अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देकर बालिकाओं को रोजगार हेतु प्रेरित किया। उन्होंने आरसेटी प्रशिक्षण में सहभागिता की प्रक्रिया भी बता इसके पूर्व स्वागत भाषण करते हुए प्राचार्य देवेंद्र बैरागी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस की जानकारी देते हुए कहा कि बालिकाएं उच्च शिक्षित बने साथ ही वह समाज के निर्माण में अपनी विविध भूमिकाएं निभाए। इस हेतु संस्था सतत समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बालिका विद्यार्थियो के ज्ञान में अभिवृद्धि होती है। कार्यक्रम में विद्याथज बालिकाओं नौशीन एलची व मारिया मन्नान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस जागरूकता कार्यक्रम को छात्राओं हेतु उपयोगी व लाभकारी बताया। कार्यक्रम में अतिथियों ने वित्तीय साक्षरता साहित्य एवं रोजगार जागरूकता साहित्य भी वितरित किया। संचालन शिक्षक राहुल खेरिया ने किया आभार शिक्षक लालसिंह बामनिया ने माना। कार्यक्रम में पूर्व व्याख्याता श्रीमती बतुल सैफी, निर्मला कनेश, ललिता चैहान, मीरा डावर, ममता वाणी, शरीफ मोहम्मद, सुनील बैरागी, सुनीता डावर, दर्शना गुप्ता, वंदना बारिया, अरविंद हाड़ा, ज्योति गोयल सहित बड़ी संख्या में विद्याथज बालिकाएं मौजूद थी।

ना कोई देवी ना देवता बैठे हो जिस धाम, फिर भी भक्तों के हो रहे मनवांछित काम

अलौकिक है सीहोर का कुबरेश्वर धाम

माही की गूंज। जगराम विश्वकर्मा

सीहोर। भक्तों की श्रद्धा वहीं पर बढ़ती है जहां कोई प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हो बड़े-बड़े मंदिर हो और उनमें देवी-देवताओं की मनमोहक छवि के दर्शन होते है, जहां मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मगर जब कोई ऐसा स्थल हो जहां मंदिर रुपी भवन तो हो मगर किसी देवी-देवता की स्थापना नहीं हो। इसके बाद भी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती हो और उनमें से अनेक भक्तों की मनोकामना उस पावन धरा की ÷रज÷ या कंकर का स्पर्श हो जाने से पूर्ण हो जाए तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है। ऐसी पवित्र पावन भूमि जहां का हर कंकर शंकर के रूप में भक्तों द्वारा पूजा जा रहा हो। लोग रोते बिलखते विभिन्न बीमारियों समस्याओं से ग्रस्त आते हैं और सिर झुकाकर प्रार्थना कर जाते हैं और तीन महीने के बाद अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर पुनः शीश झुकाने आ जाते हो तो वह स्थल कितना पावन होगा...?

हम उल्लेख कर रहे हैं सीहोर जिले के छोटे से ग्राम चितावलिया हेमा में स्थित कुबरेश्वर धाम की महिमा का। इस स्थल पर कोरोना काल में तथा उसके पूर्व से सतत् शिवपुराण की अविरल धारा बहती आ रही है। इस पावन पुराण कथा का वाचन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक शिव भक्त गुरुवर पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा किया जाता रहा है। सतत कथा का वाचन होते रहने से इस भूमि के प्रत्येक कंकर में शंकर जैसे विराजमान हो गए। यहां निर्माणाधीन कुबरेश्वर महादेव मंदिर, श्री मुरली मनोहर मंदिर, बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। यहां आने वाला नास्तिक भी आस्तिक बन जाता है। यह स्थल ऐसा कि, एक बार आने वाला यहां सेवा करने को आतुर तो होता है साथ ही वापस घर जाने की उसकी इच्छा भी नहीं होती है, वह यही कंकर में शंकर महसूस कर ÷रम÷ जाने का मन बनाने लगता है।

सीहोर से लगभग 10-11 किलोमीटर दूर इंदौर-भोपाल नेशनल मार्ग पर हाईवे से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित सड़क मार्ग से ही दिखाई देने लगता है। विशाल कुबरेश्वर धाम तथा मुरली मनोहर मंदिर के शिकर अपनी ओर खींचने लगते हैं। यह स्थल इतना ÷सिद्ध÷ हो चुका है कि, इसकी प्रसिद्ध मध्यप्रदेश ही नहीं अपितु भारत के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। गुरुदेव पंडित श्री प्रदीप मिश्रा के अनुयायियों या यू कहे कि, भोले बाबा जो कि, कुबरेश्वर महादेव के नाम से विराजमान होने वाले हैं भक्तों की संख्या अनगिनत हो चुकी है और बढ़ती जा रही है। पूज्य गुरुदेव का एक ही वाक्य ÷एक लोटा जल सारी समस्याओं का हल÷ का ऐसा असर पड़ा की हर सनातनी परिवार शिव आराधना में जुटता जा रहा है। अब एक लोटा जल के साथ-साथ विभिन्न पूजन सामग्री से शिवजी का अभिषेक ऐसे मंदिरों में होने लगा है, जहां कभी झाड़ू भी नहीं लगती थी जहां कोई जाना पसंद नहीं करता था। शिव मंदिरों में भीड़ का यह आलम है कि, कई-कई घंटे अपनी बारी का इंतजार भक्तों को करना पड़ रहा है।

इधर पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा जहां भी महाशिवपुराण की कथा का वाचन किया जाता है, वह स्थान कितना भी दूर क्यों न हो शिव भक्त वहां खींचे चले आते हैं। सौ-पचास या हजार नहीं अब ऐसे कथा रसिकों की संख्या एक नहीं कई लाखो में पहुंचती जा रही है। किसी के घर यदि 5-10 मेहमान आ जाए तो मेजबान घबरा जाता है कि, कैसे व्यवस्था करें। मगर शिव पुराण कथा में शिव जी की ऐसी कृपा होती है जो कि, प्रत्यक्ष दिखाई दे जाती है। लाखों शिव भक्तों के ठहरने, रहने, खाने-पीने, सोने तथा अन्य व्यवस्था कैसे हो जाती है यह आयोजकों को भी पता नहीं चलता है। बगैर किसी परेशानी के सारा इंतजाम हो जाना आश्चर्य करने जैसा होता है। गुरु पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा व्यासपीठ से शिव पुराण तथा सनातन धर्म ग्रंथों में वर्णित उपायों को अपनाकर हजारों को लाभ मिल रहा है। जिसका प्रत्यक्ष गवाह के रूप में कथा के दौरान आने वाले वे पत्र होते हैं जिनमें शिवभक्त अपनी व्यथा, कथा, अनुभव तथा लाभों का उल्लेख कर शिव महिमा का साक्षी बनते हैं। वर्तमान में कुबरेश्वर धाम में निर्माणाधीन कुबरेश्वर मंदिर, मुरली मनोहर मंदिर, वृद्धा आश्रम, गौशाला तथा बाहर से आने वाले भक्तों हेतु 251 कमरों की धर्मशाला आदि का निर्माण हो रहा है तथा कुछ कार्य होने जा रहे हैं। सीहोर की पावन धरा भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी ख्याति प्राप्त कर रही है। यहां कोई कार्यक्रम हो या ना हो भक्तों के आने-जाने का सिलसिला अनवरत जारी रहा है। हर आने वाला यहां कंकर में शंकर खोज कर आराधना करता है, मनोकामना कहता हैं। कुबरेश्वर महादेव से अपनी बात कह कर चला जाता है और वह औघड़ी देवों का देव महादेव तीन महीने में ही ÷याचक÷ की मनोकामना पूर्ण कर पुनः कुबरेश्वर धाम बुला लेता है। इसके लिए शिव भक्तों का शिव के प्रति विश्वास होना जरूरी है तो आओ हम भी शिव भक्ति में ÷रम÷ कर इस कलयुग में आया शिवयुग का साक्षात दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाएं।

निरीक्षण के दौरान अनुपस्थिति पाये गए होस्टल अधीक्षक को किया निलंबित, अन्य को जारी नोटिस

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

माह के अंत मे विकास खण्ड के छात्रावासों में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर विभाग तैयारियों मे जुटा हुआ है। इसी के चलते छात्रावासों में रंग-रोगन और मुख्यमंत्री को सब कुछ हरा-हरा दिखाने की कोशिश की जा रही है। विगत दिनों सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ, सहायक संचालक (शिक्षा) झाबुआ एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी विकासखण्ड पेटलावद द्वारा जनजातीय बालक आश्रम देवली विकासखण्ड पेटलावद का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक रामलाल कटारा (मा.शि.) अनुपस्थित पाये गये और संस्था परिसर वीरान पाया गया। पुरे भवन एवं परिसर में अव्यवस्थाएं पाई गई। स्वीकृत सीट्स 50 के विरूद्ध 8 छात्र ऑनबोर्ड हैं, किन्तु एक भी छात्र आश्रम में उपस्थित नहीं पाया गया, केवल 3-4 बच्चे ग्राउण्ड में खेलते पाये गये। अधिकारीयो के पुछने पर एकमात्र छात्र द्वारा आश्रम में रहना बताया गया। आश्रम प्रारंभ के 7 माह पश्चात तक भी भोजन के लिए रसोईघर की शुरूआत अभी तक नहीं की गई हैं। शौचालय-स्नानागार में रनिंग वाटर की व्यवस्था नहीं पाई गई। मात्र 14 पलंग अस्त-व्यस्त हालत में पाये गये। इस प्रकार की अव्यवस्था क्षेत्र के अधिकांश छात्रावासों में है। जबकि 7. जनवरी 2023 को जिला मुख्यालय एवं थांदला मुख्यालय पर आयोजित अधीक्षक-अधीक्षिकाओं की बैठक में विभिन्न मदो में टेबलेट के माध्यम से प्राप्त राशि से आवश्यक सामग्री कय करने, चादर, तकिया कवर एवं कंबल की धुलाई करवाने तथा छात्रावास आश्रमों के सुव्यवस्थित संचालन के निर्देश दिये गये थे। अतः वरिष्ठ जिसके बाद भी अधिकारीयो के आदेशों एवं निर्देशों का पालन नहीं किये जाने, शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के फलस्वरूप म.प्र .सिविल सेवा (वगज्करण, नियंत्रण एवं अपील) नियम-1966 के नियम-9 के तहत रामलाल कटारा अधीक्षक (मा.शि.) जनजातीय बालक आश्रम देवली विकासखण्ड पेटलावद को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय खण्ड शिक्षा कार्यालय झाबुआ नियत किया जाता हैं। निलंबल अवधि में इन्हें मूलभुत नियम 53 के तहत विधिवत जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

कई छात्रावासों में पाई गई अनियमितता, नोटिस किये गए जारी

देवली आश्रम छात्रावास सहित अधिकारीयो ने क्षेत्र के कई छात्रावासों का निरक्षण किया। जहा कमियां मिलने पर होस्टल अधिक्षक को नोटिस थमाए गए हैं, अव्यवस्था को लेकर अधीक्षकों पर अलग-अलग कार्यवाही को लेकर सहायक आयुक्त से जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि, जिस प्रकार की कमियां मिली हैं उसके हिसाब से नोटिस जारी किए गए हैं, लगभग चार से पांच अधीक्षकों को नोटिस जारी हुए है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422